05 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

स्थानीय उत्पादों को मिलेगी पहचान, हर प्रखंड के उत्पादों को मिलेगी खास जगह

4

खुलासा: कोलकाता लॉ कॉलेज रेप कांड में पुलिस को मिला बड़ा सुराग

एजेंसी/कोलकाता

♦ जॉइंट पुलिस कमिश्नर से तत्कालीन प्रिंसिपल ने की थी शिकायत

साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले में नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। जैसे-जैसे जांच की कार्रवाई आगे बढ़ रही है, मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा को लेकर कई बातें सामने आ रही हैं। इस क्रम में लॉ कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल देबाशीष चट्टोपाध्याय द्वारा 2018 में मोनोजीत के व्यवहार को लेकर कोलकाता पुलिस मुख्यालय को भेजा गया एक सामने आया है। पुलिस को लिखे इस पत्र में तत्कालीन प्रिंसिपल ने कॉलेज के परिसर के विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान मोनोजीत मिश्रा के द्वारा मचाए गए उत्पात को लेकर चिंता जताई थी।

हेडक्वार्टर जॉइंट पुलिस कमिश्नर को लिखे गए पत्र में देबाशीष चट्टोपाध्याय ने मोनोजीत पर कॉलेज के कार्यक्रमों के दौरान उत्पन्न किए गए व्यवधान पर प्रकाश डाला था और 13 दिसंबर, 2018 को निर्धारित कॉलेज के एनुअल सोशल प्रोग्राम के दौरान भी इसी प्रकार की गड़बड़ी उत्पन्न करने की आशंका व्यक्त की थी। प्रिंसिपल चट्टोपाध्याय ने कोलकाता पुलिस से औपचारिक रूप से कार्यक्रम के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का अनुरोध किया था। कॉलेज प्रशासन की ओर से मोनोजीत को लेकर पुलिस को लिखा गया यह पत्र उस पर लगे मौजूदा आरोपों के

मद्देनजर काफी महत्व रखता है।

वीसी के माध्यम से आरोपियों को किया गया था पेश: पश्चिम बंगाल सरकार ने वरिष्ठ वकील बिवास चटर्जी को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नियुक्त किया। चटर्जी कानूनी एवं सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति मामले की कार्यवाही की देखरेख करेंगे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गत 30 को आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, जैब अहमद एवं प्रमित मुखर्जी को आठ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि गिरफ्तार किए गए सिक्योरिटी गार्ड पिनाकी बनर्जी की हिरासत चार जुलाई तक बढ़ाई थी। मोनोजीत मिश्रा और प्रोमित मुखर्जी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील राजू गांगुली ने कोर्ट को बताया था कि दोनों जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने कोई जमानत याचिका दायर नहीं की है। गैंगरेप के आरोपों से इन्कार करते हुए गांगुली ने अदालत से आग्रह किया था कि अभियोजन पक्ष को अपनी जांच पूरी करने की अनुमति दें। उन्होंने दावा किया था कि मोनोजीत मिश्रा की गर्दन पर एक लव बाइट पाया गया था, जो प्रॉसिक्यूशन के आरोपों पर संदेह पैदा करता है। इस बीच, सरकारी वकील ने तर्क दिया कि परिस्थितिजन्य व साक्ष्य पीड़िता के बयान का समर्थन करते हैं।

साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ 25 जून, 2024 की शाम 7:30 बजे से 10:50 बजे के बीच कॉलेज के गार्ड रूम के अंदर गैंगरेप किया गया। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि उसने मोनोजीत मिश्रा के विवाह प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, जिसके कारण मोनोजीत ने उस पर हमला किया और उसके साथ इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। जब पीड़िता के साथ यह सब किया जा रहा था, तब मौके पर जैब और प्रणित मौजूद थे। पीड़िता के मुताबिक इन तीनों के अलावा कॉलेज का एक सिक्योरिटी गार्ड पिनाकी बनर्जी कमरे के बाहर था और उसने अपराध रोकने के लिए कुछ नहीं किया। पुलिस ने पीड़िता के बयान के बाद मोनोजीत, जैब, प्रणित और गार्ड पिनाकी बनर्जी को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र में लोगों का मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है: देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी/नई दिल्ली

महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी को लेकर सियासी बवाल जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ठाकरे को लगता है की वही मराठी हैं। भाई हम भी मराठी हैं। हमें 51 फीसदी वोट मिले हैं। जनता हमारे साथ है, मराठी हमारे साथ है। सीएम ने मराठी नहीं बोलने पर एमएनएस कार्यकताओं द्वारा दुकानदार की पिटाई के मामले पर कहा कि मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है लेकिन अगर कोई भाषा को लेकर गुंडागर्दी करेगा तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

फडणवीस ने कहा कि अगर कोई भाषा के आधार पर लोगों के साथ मारपीट करता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस ने घटना पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की है और अगर भविष्य में कोई इस तरह का भाषा विवाद पैदा करता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मराठी पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह से अन्याय नहीं किया जा सकता है। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि ये लोग अंग्रेजी को अपना लेते हैं और हिंदी को लेकर विवाद पैदा करते हैं, ये कैसी सोच है और कानून को हाथ में लेने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित हुए पीएम नरेंद्र मोदी

भारत के 140 करोड़ नागरिकों की ओर से ग्रहण कर रहा हूं यह सम्मान: प्रधानमंत्री

एजेंसी/नई दिल्ली

त्रिनिदाद एंड टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कांगालू ने शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो से सम्मानित किया। यह सम्मान पाने वाले वह पहले विदेशी नेता बन गए हैं। यह सम्मान सिर्फ एक औपचारिकता नहीं बल्कि भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच गहरे रिश्तों और ऐतिहासिक जुड़ाव की पहचान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा कि ये सम्मान वो भारत के 140 करोड़ नागरिकों की ओर से ग्रहण कर रहे हैं। यह पुरस्कार हमारे साझा इतिहास, संस्कृति और गहरी मित्रता का प्रतीक है। यह पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी को मिला 25वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है, जो उन्हें विभिन्न देशों की ओर से दिया गया है। इससे यह भी साबित होता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की वैश्विक छवि और नेतृत्व क्षमता को दुनियाभर में सराहा गया है। प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनके नेतृत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया है।

सरयू और प्रयागराज के महाकुंभ का पवित्र जल भेंट किया: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर द्वारा आयोजित रात्रिभोज के दौरान अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति, सरयू और प्रयागराज के महाकुंभ का पवित्र जल भेंट किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत और कैरिबियाई राष्ट्र के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रिश्तों को उजागर किया। इस संबंध में पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर द्वारा आयोजित रात्रिभोज में उन्होंने राम मंदिर की प्रतिकृति, सरयू नदी का पवित्र जल और महाकुंभ का जल भेंट किया। यह भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि रात्रिभोज में भोजन सोहारी के पत्ते पर परोसा गया, जो त्रिनिदाद और टोबैगो। खासकर भारतीय मूल के लोगों के लिए बहुत सांस्कृतिक महत्व रखता है। यहां त्योहारों और विशेष अवसरों पर इस पत्ते पर भोजन परोसने की परंपरा रही है।

भारतीय प्रवासियों का योगदान प्रशंसा के काबिल

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिडाड व टोबैगो में भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह को संबोधित किया। इस दौरान त्रिनिडाड व टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री महामहिम कमला प्रसाद-बिसेसर, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, संसद सदस्य तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री का प्रवासी समुदाय द्वारा असाधारण गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया तथा उनका रंगारंग पारंपरिक भारतीय-त्रिनिडाडियन स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने त्रिनिडाड और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत करने और दोनों देशों के बीच जीवंत और विशेष संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे समय में त्रिनिडाड और टोबैगो की उनकी ऐतिहासिक यात्रा, जब देश अपने तटों पर भारतीय प्रवासियों के पहले आगमन की 180 वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसे और भी विशेष बनाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों की उनके सुगम, सांस्कृतिक समृद्धि और त्रिनिडाड और टोबैगो में उनके अपार योगदान की प्रशंसा की।

परंपराओं को संरक्षित और पोषित करना जारी रखे हुए है त्रिनिदाद और टोबैगो: प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासी अपनी भारतीय सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को संरक्षित और पोषित करना जारी रखे हुए हैं। इन संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अब त्रिनिडाड और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। इस विशेष भाव का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि भारत सरकार गिरमिटिया विरासत को पोषित करने के लिए कई पहलों का समर्थन करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, हरित मार्गों, अंतरिक्ष, नवाचार और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में भारत के तेजी से विकास और परिवर्तन का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में भारत ने समावेशी विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है और 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है।

शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा भारत : पीएम ने भारत की विकास कहानी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश शीघ्र ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने बल देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, सेमीकंडक्टर व क्वांटम कंप्यूटिंग पर राष्ट्रीय मिशन देश के विकास के नए संचालक बन रहे हैं।

स्वदेशी ड्रोन में नहीं होगा चीनी सामान का इस्तेमाल: मेजर जनरल

एजेंसी/नई दिल्ली

एक बार फिर भारतीय सेना ने दोहराया है कि स्वदेशी ड्रोन और दूसरे सैन्य उपकरणों में चीनी पार्ट्स का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ सालों से भारत ने साफ तौर से कहा है कि हथियारों और दूसरे सैन्य उपकरणों में चीनी सामान का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना ने एक बार फिर चीनी स्पेयर पार्ट्स को लेकर अपना रुख साफ किया है। शुक्रवार को आर्मी डिजाइन ब्यूरो (एडीबी) के प्रमुख मेजर जनरल सीएस मान ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले साल भारतीय सेना ने एक फ्रेम-वर्क तैयार किया है. रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिलते ही सभी स्वदेशी ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम का ऑडिट किया जाएगा ताकि चीनी सामान का पता लगाया जा सके।

सैन्य उपकरणों में चीनी सामानों के इस्तेमाल को ले सेना सख्त : बताया गया कि रक्षा मंत्रालय भी जल्द ही एक ऑडिट टीम का गठन करने जा रही है, जो हथियारों और खासतौर से ड्रोन में चीनी सामान के इस्तेमाल होने का पता लगाएगी। साथ ही प्राइवेट कंपनियों को भी आगाह किया गया है कि सेना के लिए जरूरी टेंडर में हिस्सा लेते वक्त सुनिश्चित किया जाए कि उनके उपकरणों में चीनी सामान का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके बावजूद, कई बार ऐसी शिकायतें सामने आई हैं, जहां स्वदेशी कंपनियों के सैन्य उपकरणों में चीनी पार्ट्स का इस्तेमाल हुआ है। यही वजह है कि सेना अब चीनी सामान के इस्तेमाल को लेकर कड़ा रुख अपना रही है।

भारत के साथ वार्ता के दौरान चीन पाकिस्तान को दे रहा था लाइव फीड: भारतीय सेना के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त जब पाकिस्तान के साथ डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तब चीन की तरफ से पाकिस्तान को लाइव फीड दी जा रही थी। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के मुताबिक, चीन ने पाकिस्तान को भारत के वेक्टर्स के बारे में भी जानकारी साझा की थी। यानी चीन, पाकिस्तान को भारत के संभावित हमलों के बारे में जानकारी मुहैया करा रहा था। डिप्टी चीफ के मुताबिक, इसके बावजूद भारत ने एक साथ तीन-तीन दुश्मन देशों को परास्त किया।

लुधियाना में टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली। पंजाब के लुधियाना में फिरोजपुर रोड पर स्थित पावरकॉम के सेंट्रल जोन ऑफिस के सामने एक बड़ा हादसा टल गया। पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के बागवानी विभाग के पास से गुजर रही 66 हजार किलोवॉट की हाईटेंशन तारों में अचानक ट्रिपिंग होने से जोरदार धमाका हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के अंदर टावर नंबर 3 और 4 के बीच हाईटेंशन लाइनें आ गईं, जिससे बिजली की सप्लाई बाधित हो गई। गनीमत रही कि उस समय हाईटेंशन लाइन के नीचे काम कर रहे लोग बाल-बाल बच गए। वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

2026 हज के लिए शुरू हो रहा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को हज समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान हज 2025 को सबसे सफल हज यात्राओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हमने हज 2026 की तैयारियां आज से शुरू कर दी हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हमने आज से आधिकारिक तौर पर हज 2026 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हज 2025 को हाल के इतिहास में सबसे बेहतरीन तरीके से प्रबंधित और सबसे सफल हज यात्राओं में से एक माना जा सकता है। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे समय पर अपने आवेदन भरें, ताकि भविष्य में उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि पिछले साल और उससे पहले हज यात्रा के दौरान कई घटनाएं देखने को मिली हैं, जिस वजह से कई लोगों की मौत हुई है। इस बार 64 लोगों की मौत हुई है और पिछले साल ये आंकड़ा 200 के ऊपर था। इस बार जिन 64 लोगों की मौत हुई है, उनके अलग-अलग कारण हैं। एक हफ्ते बाद से 2026 हज के आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने अपील किया कि हज पर जाने वाले सभी तीर्थयात्री यात्री समय से अपना आवेदन करें।

सड़क हादसे में दूल्हा समेत पांच की मौत

एजेंसी/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के जुनावई थाना इलाके में शुक्रवार को बारात लेकर जा रही एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप के एक स्कूल की दीवार में टक्कर मार देने से दूल्हे समेत पांच बारातियों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

दक्षिणी क्षेत्र की अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनुकृति शर्मा ने बताया कि जुनावई में एक नई बोलेरो तेज रफ्तार से आई और जनता इंटर कॉलेज की दीवार में घुस गई। उन्होंने बताया कि बोलेरो में एक बारात जा रही थी जिसमें दूल्हा भी सवार था।

सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य में जुट गई। उन्होंने बताया कि जुनावई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) पर पांच लोग मृत अवस्था में लाए गए, जिनमें दूल्हा सूरज (24), उसकी भाभी आशा (26) और आशा की बेटी ऐश्वर्या (दो) छह वर्षीय बालक विष्णु पुत्र मनोज और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल था। एएसपी ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि बोलेरो की रफ्तार बहुत तेज थी और वह अनियंत्रित हो गई, जिसके बाद स्कूल की दीवार से टकरा गई।

भारत ने सभी धर्म की स्वतंत्रता बरकरार रखा: जायसवाल

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार आस्था, धर्म की मान्यताओं और प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाती है और न ही कुछ बोलती है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार ने हमेशा भारत में सभी के लिए धर्म की स्वतंत्रता को बरकरार रखा है और ऐसा करना जारी रखेगी।

आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करें भारत व चीन: केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की टिप्पणी पर चीन ने शुक्रवार को आपत्ति जताई थी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति के प्रति स्पष्ट होना चाहिए और तिब्बत से संबंधित मुद्दों का सम्मान करना चाहिए। दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत को अपने शब्दों और कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए। चीन ने कहा कि भारत को तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करना चाहिए। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि दलाई लामा के सभी अनुयायी चाहते हैं कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता को स्वयं अपना उत्तराधिकारी चुनना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की डेडलाइन पर दिखा भारत का रुख, नाराज नजर आए मंत्री

भारत अपनी शर्तों पर चर्चा करता है: केंद्रीय मंत्री गोयल

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बाद भारतीय दल वाशिंगटन से लौट आया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते को 9 जुलाई से पहले अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है, लेकिन कृषि और वाहन सेक्टर में कुछ मुद्दों को अभी भी सुलझाए जाने की जरूरत है, इसलिए चर्चा जारी रहेगी।

भारतीय दल का नेतृत्व मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल कर रहे हैं। वे वाणिज्य विभाग

में विशेष सचिव हैं। अधिकारी ने कहा कि वार्ता अंतिम चरण में है और इसके निष्कर्ष की घोषणा 9 जुलाई से पहले होने की उम्मीद है, जो भारत सहित कई देशों पर लगाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के 90-दिवसीय निलंबन की अवधि का अंतिम दिन है।

वाहन क्षेत्र में 25 प्रतिशत शुल्क: अधिकारी ने कहा कि भारतीय टीम वाशिंगटन से वापस आ गई है, वार्ता जारी रहेगी। कृषि और वाहन क्षेत्रों में कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। भारत ने वाहन क्षेत्र में 25 प्रतिशत शुल्क को लेकर मुद्दा उठाया है। इसने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की सुरक्षा समिति में इस मामले को उठाया है। भारत ने डब्ल्यूटीओ को यह भी बताया है कि उसने इस्पात और एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखा है।

भारत की विभिन्न देशों के साथ चल रही बात: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर कहा कि भारत अपनी शर्तों पर चर्चा करता है, अलग-अलग देशों के साथ चर्चा चल रही है, चाहे वह यूरोपियन यूनियन हो, न्यूजीलैंड हो, ओमान हो, अमेरिका हो, चिली हो या पेरू हो। भारत की कई देशों के साथ समझौते की बातचीत चल रही है। मुक्त व्यापार समझौता तभी होता है, जब दोतरफा लाभ हो और जब भारत के हितों को सुरक्षित रखते हुए सौदा किया जाता है, ये ध्यान में रखते हुए कि राष्ट्रीय हित हमेशा सर्वोच्च रहेगा।

डुमरांव में धूं-धूं कर जलने लगी स्कूली वैन, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

♦ स्कूली बच्चों को छोड़कर आ रही थी वैन, कोई नुकसान नहीं

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में अचानक एक स्कूली वैन धूं-धूं कर जलने लगी। गनीमत थी कि वैन में बच्चें नहीं थे। चालक ने तत्काल इसकी सूचना प्रबंधन को दी। वहीं, मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू करने के साथ ही फायर ब्रिगेड को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची तथा वैन में लगे आग को बूझाया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर फाउंडेशन स्कूल की एक वैन बच्चों को छोड़ने सम्महार के तरफ गई थी। उधर से लौटने के दौरान जैसे ही उक्त वैन बनकट गांव के समीप पहुंची कि उसमें आग लग गया तथा वैन जलने लगी। वैन में आग लगता देख चालक तुरंत सड़क किनारे उसे खड़ा कर प्रबंधन को सूचना दी।

वहीं, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान दमकल वाहन भी मौके पर पहुंची। वैन में आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। प्रथम दृष्टया अनुमान लगाया जा रहा है कि संभवतः शॉर्ट सर्किट से वैन में आग लगी होगी। इस संबंध में स्कूल निदेशक मनोज चतुर्वेदी ने बताया कि उक्त वैन से

बच्चों को नहीं ढोया जाता था, बल्कि वैन निजी प्रयोग में लाई जाती थी तथा कुछ रिश्तेदार इसे लेकर गए थे, लौटने के दौरान अचानक आग लग गई।

जर्जर वाहनों में ढोए जा रहे है स्कूली बच्चें, कभी भी हो सकता है हादसा : बता दें कि शहर में संचालित होने वाले स्कूलों के अधिकांश वैन जर्जर हो चुके है। जिनके सहारे हर दिन हजारों बच्चों को ढोया जाता है। जानकारों का कहना है कि इससे कभी-भी बड़ा हादसा हो सकता है।

जबकि परिवहन विभाग व स्थानीय प्रशासन इस मामले में मौन साधे हुए है। बता दें कि कुछ महीने पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने जिले के सभी स्कूल संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें बच्चों के सुरक्षित परिवहन कराने का निर्देश दिया था। इसके लिए तत्कालीन जिलाधिकारी ने स्कूल संचालकों को गाइड लान से भी अवगत कराया था। लेकिन, जिलाधिकारी के निर्देश का पालन जिले के स्कूल संचालक नहीं कर रहे है।

नहीं होता है वाहनों के फिटनेस का जांच : यहां बता दें कि परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के फिटनेस का जांच भी लंबे समय से नहीं किया जा रहा है। खासकर स्कूली बच्चों को ढोने के लिए संचालित होने वाले वाहनों की फिटनेस जांच नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे है। इससे मासूमों की जिंदगी कभी भी खतरे में पड़ सकती है।

बयान

स्कूलों में संचालित होने वाले वाहनों के फिटनेस की जांच करवाने के लिए परिवहन विभाग को निर्देश दिया जा रहा है। मानक पर खरा नहीं उतरने वाले स्कूली वैन को परिवहन से रोका जाएगा तथा संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। - राकेश कुमार, एसडीएम,

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

बक्सर। सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी गांव में जहर खाने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मझवारी गांव निवासी त्रिलोकी साह के 25 वर्षीय पुत्र बंटी गुप्ता के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बंटी ने किसी कारणवश जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए बक्सर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। परिजन युवक की मौत से बेहद सदमे में हैं और उनकी स्थिति देख ग्रामीण उन्हें ढांढस बंधा रहे हैं।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

बक्सर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय में शांति समिति की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने की। बैठक में एसडीपीओ धीरज कुमार, एसडीपीओ यातायात, नगर परिषद के ईओ, संबंधित अंचल अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मोहर्रम के अवसर पर नगर की विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीओ ने सभी थाना अध्यक्षों को ताजिया जुलूस के मार्ग पर विशेष निगरानी रखने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया।

बाढ़ प्रमंडल की टीम ने किया नैनीजोर के प्रबोधपुर डेरा व बिहार घाट पर कटाव का निरीक्षण

बाढ़ समाप्त होने के बाद गंगा की धारा मोड़ने के लिए बनेगा ठोकर : बाढ़ निदेशक

♦ बाढ़ नियंत्रण विभाग के एसी व कार्यपालक अभियंता को सैंड बैग डाल कटाव रोकने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर पंचायत अंतर्गत प्रबोधपुर डेरा, बिहार घाट तथा ढाबी में गंगा में कटाव तेज हो गया है। गंगा का जल स्तर बढ़ने के साथ ही कटाव का रफ्तार भी तेज होने लगा है। जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलस्तर बढ़ने व कटाव का रफ्तार इसी तरह से रहा तो अगले चार-पांच दिनों में गंगा कोईलवर तटबंध के समीप आ जाएगी। जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने के साथ ही जन जीवन पर भी असर पड़ेगा।

वहीं, इसकी जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के साथ ही बाढ़ नियंत्रण विभाग सक्रिय हो गया है। गुरूवार की देर शाम बाढ़ निदेशक संजय कुमार झा के नेतृत्व में बाढ़ नियंत्रण विभाग की एक टीम नैनीजोर के प्रबोधपुर डेरा व बिहार घाट पर हो रहे कटाव का जायजा लिया। इस दौरान वहां, मौजूद ग्रामीणों ने अधिकारियों को गंगा में कटाव को दिखाने के साथ ही उससे होने वाले

नुकसान के बारे में भी बताया और इससे स्थायी राहत दिलाने की मांग की।

कटाव से बदल रहा है दियारे का भूगोल : ग्रामीणों ने कहा कि कटाव से उनके सैकड़ो एकड़ उर्वर खेत गंगा में समा रहे है। पिछले कुछ महीनों से यह समस्या जारी है। इस दौरान कई बार जिला प्रशासन से गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अबतक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। जिससे हर दिन कटाव हो रहा है तथा उनके खेत गंगा में विलीन हो रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि कटाव के कारण दियारे का भूगोल बदल रहा है। कल तक जिस मिट्टी में फसले लहलहा रही थी, आज वहां गंगा की धारा चल रही है। ग्रामीणों ने निदेशक को बताया कि जिले में केशोपुर से लेकर आखिरी छोर ढाबी तक यह कटाव हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार गंगा की धारा बदल गई है तथा गंगा का झख यूपी के बजाय बिहार की तरफ हो गया है। जिस कारण कटाव की समस्या झेलनी पड़ रही है।

निदेशक ने दिया आश्वासन, होगा स्थायी समाधान : इस दौरान निदेशक संजय झा ने ग्रामीणों को आश्वत किया कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी गंगा का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है।

ऐसे में कटाव रोकने का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने मौके पर मौजूद बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिक्षण अभियंता धनंजय कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल व जेई रितेश कुमार को तत्काल कटाव को रोकने के लिए उक्त स्थल पर सैंड बैग डालने का निर्देश दिया। वहीं दूसरी ओर स्थानीय ग्रामीणों में हर साल बाढ़ की समस्या को लेकर डर बना रहता है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से इसका स्थानीय निदान नहीं निकाला जाता है। बल्कि हर साल तत्कालीक व्यवस्था कर छोड़ दिया जाता है। इसका स्थानीय निदान निकले। अन्यथा यह बाढ़ हर साल आम जनता को परेशान करते रहेगी। इसके लिए सरकार को पहल करनी चाहिए।

बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए तैयार है विभाग

बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल ने कहा कि विभाग बाढ़ की संभावित विभीषिका से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में जरूरी संसधान व पर्याप्त मात्रा में प्लास्टिक शीट्स, सैंड बैग आदि की व्यवस्था की गई है, ताकी बाढ़ आने पर किसी को विशेष परेशानी का सामना न करना पड़े।

अभी भी तेजी से बढ़ रहा है गंगा का जल स्तर : नैनीजोर पंचायत के पूर्व मुखिया राजकिशोर प्रसाद, ग्रामीण बिजेन्द्र यादव आदि ने कहा कि गंगा में कटाव लंबे समय से जारी है। इस दौरान कई बार कटाव रोकने की मांग जिला प्रशासन से लगायत राज्य सरकार तक से की जा चुकी है, लेकिन किसी भी स्तर पर उन्हें राहत नहीं मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि शुक्रवार को भी गंगा का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा था। जल स्तर बढ़ने पर कटाव का रफ्तार भी तेज हो गया है।

एक नजर

मुहर्रम पर्व पर अफवाहों से रहें सतर्क, असामाजिक तत्वों पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

नावानगर। सोनवर्षा थाना परिसर में शुक्रवार की शाम मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता पुअनि श्रीभगवान प्रसाद ने की। बैठक में दोनों समुदायों के जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में मुहर्रम पर्व को शांति और भाईचारे के साथ मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। पु.अ.नि. प्रसाद ने उपस्थित लोगों से कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन के साथ सहयोग करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की तैनाती रहेगी, जबकि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। बैठक में पूर्व उपप्रमुख दिनेश सिंह, बीडीसी अजय गुप्ता, कलामुद्दीन, अजमेर खां, सरपंच राकेश कुमार उर्फ भूखन, सरपंच प्रतिनिधि ललीत प्रताप भानु, नसीर मियां, अशोक सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि व मुहर्रम समिति के सदस्य मौजूद रहे।

तीन शराबी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म पुलिस ने गुरूवार की देर शाम थाना क्षेत्र के छोटका दिया व रेहिया गांव से कुल तीन शराबियों को पकड़ न्यायिक हिरासत में भेजा है।मिली जानकारी के अनुसार कृष्णाब्रह्म पुलिस को जानकारी मिली थी कि छोटका दिया गांव निवासी सर्वजीत चौधरी व विष्णु चौधरी तथा रेहियां गांव निवासी दीपक शर्मा शराब के नशे में उत्पात मचा रहे है। जिसके बाद पुलिस टीम भेज तीनों को गिरफ्तार पकड़वा मेडिकल जांच करवाया गया, जहां शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इसकी पुष्टि की है।

लाली डेरा गांव में चोरों ने एक घर से उड़ाए आभूषण व लैपटॉप, प्राथमिकी दर्ज

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लाली डेरा गांव में चोरों ने एक घर में घुस आभूषण व लैपटॉप तथा अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली है। पीड़ित गृहस्वामी सुरेश यादव ने इस संबंध में स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है।पुलिस को दिए आवेदन में उन्होंने बताया कि दो जुलाई की रात अज्ञात चोर खिड़की के रास्ते मेरे घर में प्रवेश किए तथा लाखों रूपए मूल्य के सोने व चांदी के आभूषण, डेल कंपनी का एक लैपटॉप तथा अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली है। सुबह में जब हमलोगों की नींद खुली तो चोरी की इस वारदात की जानकारी मिली।थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। घटना को अंजाम देने वाले चोरों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। वहीं, इस घटना को ले ग्रामीणों में चोर उचक्कों का भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

कसिया में कुआं में गिर युवक की मौत, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के कसिया गांव में एक युवक की डूबने से मौत हो गई है। घटना शुक्रवार को दोपहर बाद करीब दो बजे गांव से पश्चिम बधार स्थित कुएं का है। मृतक की पहचान स्थानीय गांव निवासी अनिल राय के 22 वर्षीय पुत्र उदयभान राय उर्फ सुधीर के रूप में हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन तथा ग्रामीण उक्त कुएं के पास पहुंचे तथा ग्रामीणों के सहयोग से उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तबतक देर हो चुकी थी। सुधीर की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना से परिजनों में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। उनकी चिख पुकार से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। जवान पुत्र की मौत से परिजनों पर गम का पहाड़ टूट पड़ा था।

केसठ में महादलित बस्तियों में मतदाता पुनरीक्षण कार्य में आ रही है परेशानियां

केटी न्यूज/केसठ

निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रखंड में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य बीएलओ द्वारा शुरू किया गया है। जिसमे बीएलओ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित महादलित बस्ती में बूथ संख्या 188 में बीएलओ अजय कुमार विक्रांत एवं टोला सेवक सुनील कुमार पहुंच मतदाता पुनरीक्षण को मिले फॉर्म को वितरण करने पहुंचे तो महादलित परिवारों ने बताया उनके पास कोई दस्तवेज नही रहने की बात कह फॉर्म नही लिया जा रहा था। बीएलओ द्वारा समझाने के कुछ परिवारों ने फॉर्म लिया। लेकिन, वे भी कोई दस्तावेज नहीं होने की बात कह रहे है। साथ ही बीएलओ द्वारा

परेशान करने की बात कही जा रही है। इस संदर्भ में पंचायत के मुखिया अरविन्द यादव उर्फ गामा पहलवान ने बताया कि महादलित परिवारों में कोई दस्तावेज नहीं रहने पर सरपंच की वंसावली बनवा इन परिवारों का मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरा कराए जाने की बात कही।

आईईएसएम ने सदर एसडीएम के समक्ष रखी अपनी मांगें, मिला साकारात्मक आश्वासन

केटी न्यूज/बक्सर

आईईएसएम (पूर्व सैनिक संघ) बक्सर ने सदर एसडीएम अविनाश कुमार का स्वागत अंग वस्त्र, बुके और स्वागत पत्र के साथ किया गया। वहीं, उनके समक्ष सैनिकों की मांगों को रखा गया। एसडीएम का स्वागत करने व मांग पत्र सौंपने का नेतृत्व सभापति डॉ. बीएन पांडेय ने किया। इस संबंध में आईएसएम बक्सर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि पूर्व सैनिकों ने एसडीएम के समक्ष जो मांगे रखी है, उनमें जिले में सीएसडी कैंटीन, सैनिक कल्याण कार्यालय, ईसीएचएस और सैनिक आरामगृह के लिए 50 डिजिमिल जमीन मुहैया कराने।

शहीद स्मारक पर बक्सर जिला के युद्ध में शहीद हुए वीर योद्धाओं का नाम तैल्य चित्र पर दशार्ने, जिसकी पूरी कार्रवाई हो चुकी है और शीला पट्ट पर अंकित भी कर दिया गया है। सभापति डॉ. बीएन पांडेय ने कहा कि एसडीएम ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुना तथा उसके समाधान का आश्वासन दिए है। उन्होंने कहा कि सैनिकों

के प्रति एसडीएम ने जो सम्मान के भाव दिखाए है, उसका कायल पूरे जिले के पूर्व सैनिक हो गए है। उन्होंने उम्मीद जताया कि जल्दी ही उनकी सभी मांगे एसडीएम के प्रयास से पूरी हो जाएगी। मौके पर जिला उपाध्यक्ष विद्या सागर चौबे, जिला कोषाध्यक्ष आरबी सिंह, उप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, संयोजक रामनाथ सिंह, उप संयोजक भरत मिश्र, मीडिया प्रभारी तारा बाबू, नायब सूबेदार जग नारायण साहू, नायब सूबेदार श्रीराम सिंह समेत कई अन्य पूर्व सैनिक मौजूद थे।

डुमरांव एसडीपीओ ने क्राइम मीटिंग में थानाध्यक्षों को अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने के दिए टास्क

फरार अपराधियों व वारंटियों को शीघ्र करें गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने शुक्रवार को अनुमंडल के सभी थानाध्यक्षों के साथ क्राइम मीटिंग किया। इस दौरान उनका फोकस आगामी विधान सभा चुनाव में विधि व्यवस्था को लेकर था। वहीं, मुहर्रम के त्योहार को शांतिपूर्ण निपटाने पर भी चर्चा हुई। एसडीपीओ ने कहा कि विधानसभा चुनाव काफी नजदीक है। इस चुनाव को शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना पुलिस की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि चुनाव को

शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से निपटाने के लिए सभी थानाध्यक्षों को अभी से ही लग जाना होगा। एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों को अपराध नियंत्रण, अपराधियों की गिरफ्तारी तथा शराब व मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करने का निर्देश दिया और कहा कि अपराध व तस्करी नियंत्रण के लिए नियमित गश्त अभियान को और प्रभावी बनाना होगा।बैठक के दौरान एसडीपीओ ने थानावार लंबित कांडो की समीक्षा की तथा कांडो का समय से निष्पादन करने, फरार वारंटियों व अपराधियों को गिरफ्तार करने, इलाके में दिवा व रात्रि गश्त तेज करने, शराब व मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने सहित कई अन्य आवश्यक निर्देश दिए। एसडीपीओ ने साइबर अपराध, महिलाओं से जुड़े अपराधों और नशाखोरी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल में विधि व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए और ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो।

वहीं, एसडीपीओ ने आगामी मुहर्रम पर्व पर भी विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुश्तैदी बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि मुहर्रम से पूर्व थानों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर ताजिया जुलूस निकालने वाली समितियों को गाइड लाइन की जानकारी देना है। उनसे जुलूस के रूट चार्ट व समय की जानकारी ले उसके अनुसार पुलिस बल की तैनाती करनी है। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के दौरान विशेष चौकसी बरतना है, ताकी असमाजिक तत्व अपने मंसूबे में कामयाब न होने पाए।

मोहर्रम को लेकर प्रशासन सख्त, एसडीएम-डीएसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

- सौहार्द बिगाड़ने वालों को दी गई सख्त चेतावनी
- आम जनता किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

मोहर्रम पर्व को लेकर बिक्रमगंज प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गुरुवार की देर शाम नगर के तेंदुनी चौक, थाना चौक और धनगाई जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में एसडीएम प्रभात कुमार, डीएसपी कुमार संजय और थानाध्यक्ष ललन कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च में अनुमंडल पुलिस बल,थाना पुलिस और विशेष बाजरा टीम के जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना और असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देना था कि मोहर्रम के अवसर पर शांति भंग करने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी । एसडीएम प्रभात कुमार ने दो टूक में कहा कि शांति से खिलवाड़ की इजाजत किसी को नहीं । फ्लैग मार्च के बाद मीडिया से बात करते हुए एसडीएम प्रभात कुमार ने स्पष्ट लहजे में कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता है कि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो । किसी भी हाल में सामाजिक सौहार्द से खिलवाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी । अगर कोई व्यक्ति या समूह माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा,तो उसके खिलाफ विधिसम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी । सभी संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी और गश्ती की व्यवस्था की गई है । आमजन से अपील है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें ।

डीएसपी कुमार संजय ने कहा कि हर गतिविधि पर रखी जा रही पैनी नजर : डीएसपी कुमार संजय ने बताया कि फ्लैग मार्च का मकसद जनता में सुरक्षा का विश्वास जगाना और अराजक तत्वों को आगाह करना है । सभी संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है । वहां पुलिस बल की तैनाती की जा रही है । त्योहार के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या उपद्रव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि फ्लैग मार्च के दौरान आम लोगों से संवाद स्थापित कर शांति व्यवस्था में सहयोग की अपील की गई । उन्होंने कहा कि पुलिस हर वक्त गश्त पर रहेगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलते ही सख्त कदम उठाए जाएंगे ।स्थानीय लोगों ने जताया संतोष,कहा कि प्रशासन का ये कदम स्वागत योग्य फ्लैग मार्च के दौरान बाजार क्षेत्र में लोगों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना की । व्यापारियों,युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने कहा कि ऐसे कदमों से त्योहार पर शांति और सुरक्षा का वातावरण बनता है और आम लोगों का भरोसा बढ़ता है।

बिक्रमगंज प्रशासन ने दिखाया दम,शांति में खलल डालने वालों को पहले ही कर दिया आगाह । बिक्रमगंज प्रशासन ने मोहर्रम से पहले जिस तरह की सक्रियता दिखाई है,उसने यह साफ कर दिया है कि इस बार जरा सी भी लापरवाही,अफवाह या उपद्रव को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पर्व शांति से मने यही प्रशासन का संदेश है और उसी दिशा में कार्रवाई भी। इसके लिए पूरी तैयारी की गई है।

एक नजर

अब कम्प्यूटरकृत होंगे चौसा सरकारी स्कूलों के डाटा, हेडमास्टर को दिए जाएंगे टैब

बक्सर। जिले के सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्थाओं की गतिविधियां को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब स्कूलों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण डाटा कम्प्यूटरकृत रूप से संग्रहित किया जाएगा। इसके लिए सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को टैब (टैबलेट) उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे स्कूल से जुड़े हर प्रकार की जानकारी को ऑनलाइन अपलोड कर सकें। इस पहल के तहत विद्यालयों में विकास कार्यों की जानकारी, शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति, अवकाश विवरण, छात्रों की उपस्थिति, प्रत्येक दिन की मध्याह्न भोजन योजना की प्रगति, स्कूल में संचालित अन्य सरकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति सहित सभी प्रकार की गतिविधियों को ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। चौसा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ऋषिकेश कुमार सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। इसका उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अब कोई भी जानकारी छुपी नहीं रह पाएगी। प्रत्येक गतिविधि की मॉनिटरिंग जिला और राज्य स्तर से सीधे की जा सकेगी। सिंह ने बताया कि सभी प्रधानाध्यापकों के लिए प्रखंड संसाधन केंद्र को कुल 156 टैब उपलब्ध करा दिए गए है। प्रत्येक विद्यालय में कम्प्यूटर से जुड़े शिक्षक उपलब्ध हैं। जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से स्कूलों की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और योजनाओं का लाभ सही समय पर बच्चों तक पहुंच सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे विभाग को हर दिन स्कूलों के संचालन, पठन-पाठन की व्यवस्था तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्दी ही सभी हेडमास्टरों को टैब प्रदान कर दिया जाएगा। वहीं, विभाग द्वारा टैब मिलने के बाद प्रधानाध्यापकों को भी हर दिन की गतिविधि की जानकारी विभाग को देने में सहूलियत होगी तथा बच्चों के नामांकन संबंधित जानकारी भी ऑनलाइन करना आसान हो जाएगा।

मुहर्रम जुलूस के लिए लेनी पड़ेगी प्रशासन से स्वीकृति, डीजे पर प्रतिबंध

डुमरांव। स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार की शाम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता एसडीओ राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने संयुक्त रूप से की। बैठक के दौरान शांतिपूर्ण माहौल में प्रेम-भाईचारे के साथ ताजिया निकालने की अपील की गयी। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने समुचित साफ-सफाई, जलजमाव से निजात दिलाने के साथ सड़क पर उभरे गड्ढे को भरने की अपील की। सदस्यों ने कहा कि मुहर्रम से एक दिन पूर्व सभी इमामबाड़ों के आसपास सफाई के साथ ब्लीचिंग पाउडर आदि छिड़काया जाये ताकि साफ जगहों पर बड़े-बुजुर्ग व महिलाएं भी आसानी से दुआ और फातिया का कार्यक्रम कर सके। साथ ही बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जर्जर तारों को दुरुस्त करने की बात कहीं। सदस्यों को संबोधित करते हुए एसडीओ ने कहा कि जुलूस के लिए कमिटी के सदस्यों को प्रशासन से स्वीकृति लेनी होगी। साथ ही डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया हैं। उन्होंने कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व संपन्न हो, इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रशासन की विशेष निगाह होगी। साथ ही सभी थानों को निर्देश दिया गया है कि असामाजिक एवं उपद्रवियों पर कड़ी नजर रखे। वहीं डीएसपी ने कहा कि जुलूस निर्धारित रूट पर ही निकाली जाएगी। साथ ही किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र के प्रदर्शन पर रोक रहेगी। इमामबाड़ा सहित चौक-चौराहों पर महिला व पुरुष बल के जवान तैनात रहेंगे। सभी संवेदनशील व अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष एहतियात बरती जायेगी। इस दौरान डुमरांव सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ कुमार, प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार, नप के प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, शत्रुघ्न गुप्ता, सेराज अंसारी, सोहराब कुरैशी सहित अन्य मौजूद थे।

हत्या के प्रयास मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार,न्यायिक हिरासत में भेजे गए

काराकाट। काराकाट थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए रघुनाथपुर निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है । गिरफ्तार आरोपियों में मूसा चौधरी उर्फ कामेश्वर चौधरी(पिता-स्व. शिव कुमार चौधरी) एवं उनके पुत्र नागेंद्र चौधरी (पिता- मूसा चौधरी उर्फ कामेश्वर चौधरी) शामिल हैं । इस संबंध में जानकारी देते हुए काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि दोनों आरोपी थाना क्षेत्र के कांड के तहत मामला दर्ज किया गया था । पुलिस के अनुसार मामले की जांच के क्रम में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया । पूछताछ के पश्चात उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । थानाध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के गंभीर मामलों में पुलिस की सख्ती और सतर्कता जारी रहेगी । यह प्रयास किया जा रहा है कि मामले का जल्द से जल्द निष्पादन हो सके।

खबरें फटाफट

सड़क हादसे में युवक की मौत

सासाराम। यातायात नियमों के उल्लंघन से एक दुखद घटना सामने आई है। शहर के गौरक्षणी मोहल्ले में महावीर मंदिर के समीप शुक्रवार की सुबह एक ट्रक ने बाइक सवार को कुचल दिया। घटना में करमडिहरी गांव निवासी अनिल चौधरी का बेटा गौरव कुमार (20) की मौके पर ही मौत हो गई।गौरव कुमार कोचिंग जा रहा था। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक भीड़भाड़ वाले इलाके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने रढ को घटनास्थल पर बुलाने, पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सदर डीएसपी आशुतोष रंजन और डीएसपी वन दिलीप कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। प्रशासन के आश्वासन के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। इस दौरान लगभग 2 घंटे तक शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। शहर में सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित है। फिर भी भारी वाहनों का प्रवेश होता रहता है। घटना के संदर्भ में सदर डीएसपी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हुई एक युवक की मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों को सड़क से हटा दिया गया है और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की प्रक्रिया की जा रही है।' साथ हीं उन्होंने बताया कि नो एंट्री में ट्रक से हुई दुर्घटना को लेकर एसपी से बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जांच चल रही है।

2021 में ही होना था परियोजना का शुभारम्भ, बीच में आई कई बाधाएं

इंतजार: चार साल बाद भी नहीं शुरू हो सका चौसा का थर्मल पॉवर प्लांट

- निर्माण विभाग की सुस्ती भी आ रही है आड़े

केटी न्यूज/चौसा

चौसा (बक्सर) में 11 हजार करोड़ की लागत से निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट के थर्मल पॉवर प्लांट की परियोजना अपने निर्धारित समय के चार साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। जिस कारण इस महत्वपूर्ण परियोजना के चालू होने का इंतजार बढ़ते ही जा रहा है। वहीं, परियोजना के समय से चालू नहीं होने से बक्सर सहित पूरे राज्य को निर्बाध गति से विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। जानकारों का कहना है कि इस परियोजना से उत्पादित बिजली का 80 फीसदी हिस्सा बिहार को मिलेगा, सिर्फ 20 प्रतिशत बिजली ही दूसरे राज्यों को बेची जाएगी। जिस कारण इस परियोजना को ले जिले वासियों में उत्साह था। उन्हें इस बात की उम्मीद थी कि परियोजना के चालू होने के बाद राज्य में बिजली की समस्या दूर हो जाएगी। लेकिन, समय-समय पर निर्माण कार्य में आई बाधा तथा निर्माण एजेंसी से सुस्ती से केन्द्र सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना धरातल पर नहीं उतर सकी है। जिससे स्थानीय लोगों का इंतजार बढ़ते ही जा रहा है।

बता दें कि इस परियोजना की नींव वर्ष 2012 में रखी गई थी, जबकि 2019 में प्रधानमंत्री ने इसका शिल्यन्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया था। योजना के तहत 2021 तक दोनों बिजली इकाइयों को चालू किया जाना था, लेकिन अब 2025 भी आधे से अधिक बीत चुका है, और अब तक एक भी इकाई शुरू नहीं हो सकी है। हालांकि, इसके निर्माण में थोड़ी बहुत बाधाएं उत्पन होती रही। जिससे परियोजना की रफ्तार प्रभावित हुई। पिछले कुछ वर्षों से किसी बड़ी बाधा नहीं रही, बावजूद इसके कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। निर्माण कार्य की धीमी गति के पीछे विभागीय सुस्ती और प्रशासनिक लापरवाही भी एक अहम कारण मानी जा रही है।

पिछले वर्ष केन्द्रीय उर्जा सचिव ने किया था निरीक्षण : बता दें कि पिछले साल केंद्रीय ऊर्जा सचिव, राज्य ऊर्जा सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण परियोजना स्थल का निरीक्षण किया था तथा अधिकारियों को समय से परियोजना को पूर्ण रूप से चालू करने का निर्देश दिया था। तब परियोजना संचालक एसटीपीएल के अधिकारियों ने अगले तीन महीने में पहली इकाई चालू होने का भरोसा दिया था, लेकिन वह तीन माह अब चार साल में बदल चुका हैं और परियोजना का काम अधर में लटका हुआ है। आज भी परियोजना अधूरी पड़ी हुई है। जबकि उर्जा सचिव के आश्वासन के बाद भी प्रबंधन द्वारा शीघ्र शुरू करने का कई बार आश्वासन दिया जा चुका है, जो अबतक खोखला साबित हुआ है।

राज्य की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ रहा है प्रभाव : इस परियोजना के पूर्ण रूप से चालू नहीं होने से वर्तमान में प्रदेश में बढ़ते बिजली अधिभार से ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है। यदि समय रहते यह संयंत्र चालू नहीं होता है, तो आम जनता को बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि निर्माण कार्य के दौरान परियोजना से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारियों का स्थानांतरण भी हुआ, जिससे निरंतरता प्रभावित हुई। अब जरूरत है कि सरकार इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए तय समयसीमा में पूर्ण कराएं, ताकि राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती मिल सकें।

किसानों के आंदोलन के कारण भी प्रभावित हुआ है निर्माण कार्य : बता दें कि परियोजना स्थल के लिए चयनित जमीन के मुआवजे के लिए पिछले कई वर्षों से स्थानीय किसान आंदोलन कर रहे है। कई बार उनका आंदोलन हिंसक रूख भी अख्तियार कर चुका है तथा वे निमार्णाधीन कंपनी में आग लगाने तथा उपकरणों को तोड़फोड़ कर नष्ट करने का काम भी कर चुके है, इस कारण भी कई बार निर्माण कार्य बाधित हुआ है।

जिले के लिए वरदान साबित होगी थर्मल पॉवर परियोजना : बता दें कि यह परियोजना जिले के लिए वरदान साबित होगी। अभी भी यह परियोजना स्थानीय निवासियों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। परियोजना के निर्माण से चौसा इलाके में रोजगार का सृजन हुआ है। वहीं, स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि परियोजना के निर्माण काल से ही उनकी दुकानदारी चमक गई है।

बोले मुख्य कार्यपालक अधिकारी, शीघ्र शुरू होगी परियोजना : इस संबंध में थर्मल पॉवर परियोजना के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी का कहना है कि परियोजना निर्माण के अंतर्गत अंदर के सारे कार्य पूर्ण कर लिए गए है। बाकी पानी व कच्चे माल (कोयला) आपूर्ति की व्यवस्था बनाई जा रही है। कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है। इसे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर जानकारों का कहना है कि स्थानीय राजनीति के कारण इसके निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। जिसका खामियाजा कंपनी को उठाना पड़ रहा है। अन्यथा यह शुरू हो गया होता।

केसठ के पश्चिमी बधार में धान रोपनी शुरू, खेतों में पहुंचा नहर का पानी, किसान जुटे

केटी न्यूज/केसठ

केसठ गांव में धान की रोपनी की प्रक्रिया जोर-शोर से शुरू हो गई है। किसान सुबह शाम से ही अपने खेतों में जुटकर रोपनी की तैयारी कर रहे हैं। खेतों को तैयार करने से लेकर उसमें नमी बनाए रखने तक, हर स्तर पर मेहनत की जा रही है। खेतों की जुताई के साथ-साथ अब रोपनी का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। गौरतलब है कि इस वर्ष मानसून की अनियमितता के कारण किसान शुरूआत में चिंतित दिख रहे थे, लेकिन सोन नहर प्रणाली से सिंचाई जल की नियमित आपूर्ति होने से किसानों को राहत मिली है। सोन नहर अवर प्रमंडल सिद्धिपुर के कनीय अभियंता पप्पू सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर नहरों में पानी छोड़ा जा रहा है ताकि अंतिम छोर तक सभी किसानों को सिंचाई जल की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि केसठ सहित आसपास के क्षेत्रों के खेतों तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इससे धान की रोपनी कार्य बिना रुकावट के संपन्न हो पा रहा है। किसानों ने भी नहर में जलप्रवाह को देखकर संतोष जताया है और कहा है कि यदि इसी तरह समय पर पानी मिलता रहा, तो इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद है। किसानों की मानें तो वर्तमान में नहरों का पानी ही उनकी खेती का मुख्य सहारा है।

आइसा ने जैन कॉलेज प्राचार्य के कक्ष में किया तालाबंदी

आरा। छात्र संगठन आइसा के नेतृत्व में जैन प्राचार्य कक्ष में एकदिवसीय तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया कॉलेज के मुख्य द्वार से नारेबाजी करते हुए प्राचार्य कक्ष पहुंच वही सभा में तब्दील हो गया इस ताला बंदी के माध्यम से 15 सूत्री मांगों को प्राचार्य के समक्ष रखा गया सभा का संचालन आइसा जिला कमिटी सदस्य सनोज चौधरी ने किया। सभा को संबोधित करते हुए आइसा जिला सचिव ने कहा कि जैन कॉलेज पूरे शाहाबाद का प्रतिष्ठित कॉलेज है लेकिन कॉलेज का भवन और क्लास रूम जर्जर है कही कैंपस में पीने का पानी की संकट है।

वर्दी में हथियार के साथ रील बनाने वाली महिला दरोगा निलंबित

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

वर्दी में और हथियार के साथ रील बनाने के आरोप में बिक्रमगंज थाना में पदस्थापित महिला दरोगा सोनी चौधरी और होमगार्ड के जवान सोनू कुमार को एसपी रोहतास रौशन कुमार ने निलंबित कर दिया है। एसपी रोहतास ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस कर्मियों के द्वारा लगातार रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है।

खासकर इंस्टाग्राम पर पुलिस कर्मियों के द्वारा वर्दी और हथियार के साथ भोजपुरी गानों पर रील बनाई जा रही है। बड़ी बात यह है कि रील बनाने में महिला दरोगा से लेकर सिपाही तक पीछे नहीं है और ज्यादातर रील थाने में या फिर ड्यूटी के दौरान बनाई जा रही है। हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि हम नहीं करते है, लेकिन पुलिस कर्मियों का रील काफी वायरल हो रहा है। बड़ी बात है कि रील बनाने के लिए पुलिस की वर्दी में पुलिसकर्मी पुलिस की गाड़ी और हथियार भी प्रदर्शित कर रहे हैं।

बता दें कि पुलिस मुख्यालय ने पहले ही पुलिस कर्मियों को वर्दी में रील बनाने पर ऐतराज जाहिर किया है। इसके बावजूद वर्दी, हथियार, पुलिस की गाड़ी तथा थाने के परिसर में भोजपुरी गानों पर बनाए गए रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। इस वायरल वीडियो कि हम कहीं से पुष्टि नहीं करते हैं। वहीं, रोहतास के एसपी रौशन कुमार ने इस संबंध में जांच कर बताने की बात कही है। वहीं इसके बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

भाईचारे के माहौल में निकाला जाता है जुलूस, शामिल होते है दोनों संप्रदाय के लोग

चौसा में सौ वर्षों से मुहर्रम पर ताजिया जलूस निकालने की परंपरा

केटी न्यूज/चौसा

चौसा बाजार स्थित समद चौक पर रखा जाने वाला ताजिये की परंपरा सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी है। मुहर्रम का पर्व चौसा में हिन्दू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का अद्भुत उदाहरण पेश करता है। जहां, दोनों संप्रदाय के लोग मिलकर इस पर्व को मनाते है।

यहां के तजियेदार मुस्तफा हुसैन ने बताया कि उनके परिवार की तीन पीढ़ियां ताजिया बनाने और अखाड़ा सजाने की परंपरा को निभाती आ रही हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष ताजिया में खास आर्टिफिशियल वर्क किया जा रहा है, ताकि इसकी खूबसूरती और आकर्षण और बढ़ सके।

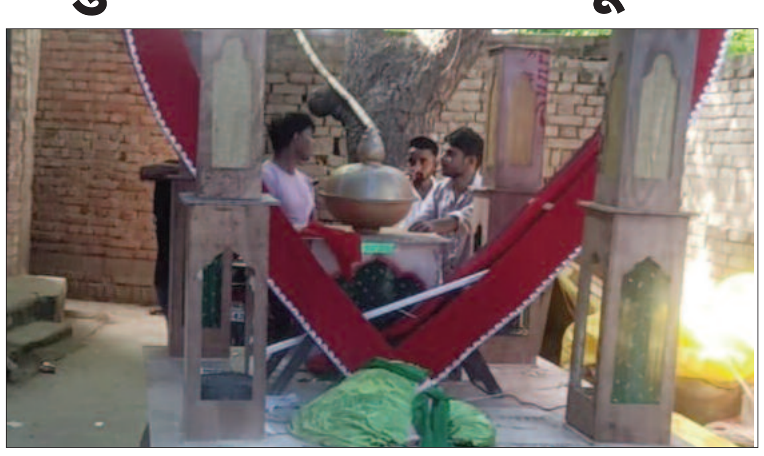

चौसा में इस बार कुल चार ताजिये बनाए जा रहे हैं। ताजिया निर्माण में लगभग 30 हजार रुपये की लागत आ रही है। ताजिया तैयार करने में जहां मुस्लिम कारीगरों का योगदान है, वहीं हिन्दू समाज के लोग भी बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। ताजिया निर्माण में कारीगर मुमताज हुसैन, प्रदीप शर्मा, आरिफ राईन, जावेद हुसैन, शाहबाज हवारी और इम्तियाज हुसैन का विशेष योगदान बताया जा रहा है। सभी लोग मिल-जुलकर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं, जिससे चौसा में सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल कायम हो रही है। ताजिया जुलूस के दौरान चौसा की सड़कों पर नजारा देखने लायक होता है। अखाड़े का प्रदर्शन और ताजिये की शान के साथ जुलूस निकालते वक्त हिन्दू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग बराबर की भागीदारी निभाते हैं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी स्थानीय प्रशासन पूरी तरह चौकस रहता है। चौसा का यह आयोजन क्षेत्र में भाईचारे, प्रेम और एकता का संदेश देता है। मुहर्रम के इस पर्व को लेकर पूरे इलाके में शांति और सौहार्द्र का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग इसे अपनी साझा विरासत मानते हैं और हर वर्ष इसकी गरिमा को बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों समुदाय के लोग प्रेम मोहब्बत से मिलकर तजिया निकालते है। कभी विवाद नहीं उत्पन्न हुआ है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st 2nd 2nd 2nd 3rd 3rd
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
Mathematics : 100 Sanskrit : 100 Social Science : 97
Science : 100 English : 95 Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

सरकार बनाएगी महिला खिलाड़ियों के लिए हेल्थ एंड वेलनेस पॉलिसी

♦ बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025' के ड्राफ़्ट पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/पटना

पाटलिपुत्र खेल परिसर में शुक्रवार को बिहार सरकार द्वारा महिला खिलाडियों के विकास के लिए 'बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025' के ड्राफ़्ट पर देशभर से आए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस तरह की नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य होगा। राज्य में महिला खिलाडियों की निरंतर बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन द्वारा मेडल जीतने की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण नीति बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर हुई आज की परिचर्चा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा, उप निदेशक हिमांशु सिंह की उपस्थिति में खेल और विभिन्न क्षेत्रों की महिला विशेषज्ञों और खिलाडियों में प्रमुख रूप से बिहार पुलिस अकादमी की निदेशिका आर मल्लार विज्जी,ऑलंपियन तैराक माना पटेल, आईआईएम बोधगया की निदेशिका डॉ.विनीता एस सहाय,प्रसिद्ध महिला उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ ब्रांड रेडियेटर की प्रबंध निदेशक हिमानी मिश्रा, दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के निदेशक और टॉप्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमोडोर राजेश राजगोपालन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतुराज, राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य सलाहकार ऑलंपियन गविन फरेरा, सिंपली स्पोर्ट्स फाउंडेशन की अदिति मुतालकर, खेल मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रिया ,आईपीआरडी की कम्युनिकेशन एक्सपर्ट नूपुर झा, लीड स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट मिहिरा, एनआईएस पटियाला की खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. जाह्नवी दांडे, सहित 30 से ज्यादा विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी। खेल के क्षेत्र में बिहार के निरंतर आगे बढ़ने के पीछे खिलाडियों की मेहनत के साथ साथ राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास की सरकार की प्रतिबद्धता का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

हर प्रखंड के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में जुटी राज्य सरकार

स्थानीय उत्पादों को मिलेगी पहचान, हर प्रखंड के उत्पादों को मिलेगी खास जगह

♦ राज्य के सभी को जिलों को 10 दिनों के अंदर भेजनी है इसकी विस्तृत रिपोर्ट, विवरण के बाद की जाएगी उत्पादों की पहचान

केटी न्यूज/पटना

राज्य सरकार ने अपने क्षेत्र विशेष के खास उत्पादों को चिन्हित कर विशिष्ट पहचान दिलाने की कवायद शुरू कर दी है। इन उत्पादों को चिन्हित करने के लिए सभी जिलों को खासतौर निर्देश दिए गए हैं। उद्योग विभाग की तरफ से ये निर्देश सभी जिला महाप्रबंधकों को भेजे गए हैं। सभी को जिलों को 10 दिनों के अंदर इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भेजनी है।

प्रत्येक प्रखंड के मुख्य उत्पाद मसलन कृषि आधारित उत्पाद, वस्त्र एवं चर्म, कला एवं शिल्प, व्यवसायी, उद्यमी समेत ऐसे अन्य सभी तरह के उत्पादों की पहचान कर उनकी खासियतों का विस्तृत विवरण तैयार कर इनकी पहचान की जाएगी। इसके बाद इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

केंद्र सरकार की एक जिला एक उत्पाद की परिकल्पना को अमलीजामा पहनाने के लिए राज्य के उद्योग विभाग ने यह पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य प्रत्येक जिले को उस उत्पाद के प्रचार के माध्यम से निर्यात केंद्र में परिवर्तित करना है, जिसमें वह जिला विशेषज्ञता रखता है। इस योजना के अंतर्गत विनिर्माण को बढ़ाकर स्थानीय व्यवसायों, निदेशकों समेत अन्य को समर्थन प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इसी परिकल्पना को आकार देने के लिए बिहार में भी एक प्रखंड, एक उत्पाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मामले में उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा का कहना है कि भारत सरकार के इस प्रयास से हर जिले की विशिष्ट पहचान सामने आएगी व इसके साकारात्मक परिणाम भी दिख रहे हैं। बिहार में भी हर प्रखंड में कुछ न कुछ विशेष है। इन्हें चिन्हित करके इन उत्पादों की पहचान की जाएगी, जिससे प्रखंड की पहचान भी होगी और उत्पाद को खासतौर तवज्जो मिलेगा।

एससी/एसटी किसानों के लिए मत्स्य पालन की योजना शुरू

पटना। राज्य सरकार ने पठारी क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) के किसानों के लिए तालाब निर्माण आधारित मत्स्य पालन की योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ दक्षिणी बिहार के आठ पठार बाहुल्य जिलों यथा बांका, औरंगाबाद, गया, कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर और रोहतास में रहने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति के मत्स्य कृषकों को मिलेगा। योजना का लाभ उठाने के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। योजना के तहत 0.4 से 1 एकड़ तक के तालाब निर्माण के लिए प्रति एकड़ 16.70 लाख रुपए की लागत पर 80 प्रतिशत दी जाएगी। इसमें तालाब निर्माण, ट्यूबवेल, सोलर पंप, उन्नत इनपुट और तालाब पर शेड का निर्माण शामिल है। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास निजी या न्यूनतम 9 वर्ष के लीज पर भूमि होना जरूरी है। निजी भूमि के लिए भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र या हाल का मालगुजारी रसीद, और लीज के मामले में 1,000 रुपए के नन-ज्यूडिशियल स्टांप पर एकरारनामा जमा करना होगा।

दक्षिण जिलों में भारी वर्षा का रेड अलर्ट

पटना। बिहार में मानसून पूरी ताकत के साथ सक्रिय हो गया है। झारखंड और ओडिशा के ऊपर बने लो-प्रेशर सिस्टम के चलते पूरे राज्य में बारिश का दौर जारी है। राजधानी पटना, भागलपुर, मुंगेर और आसपास के जिलों में भारी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। रोहतास जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल महादेव खोह जलप्रपात में अचानक पानी का स्तर बढ़ने से अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार और पर्यटक जान बचाकर भागते नजर आए। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

गोगाबील झील पर 3.66 करोड़ की लागत से बन रहा एंटी फ्लड गेट

पटना। कटिहार जिले में मनिहारी प्रखंड स्थित गोगाबील झील के समीप जल संसाधन विभाग द्वारा एंटी-फ्लड स्लूइस गेट का निर्माणकार्य शुरू कर दिया गया है। इस योजना पर कुल 3.66 करोड़ रुपये की प्राक्कलित लागत प्रस्तावित है। मनिहारी प्रखंड के जंगला टाल इंग्लिश स्थित गोगाबील झील प्रवासी पक्षियों के लिए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण पक्षी अभ्यारण्य के रूप में विख्यात है। यह झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी प्रसिद्ध है। कुल 218 एकड़ भू-भाग में फैली गोगाबील झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता के लिए जानी जाती है। यह झील हरियाली से घिरी है और विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का घर है। यह योजना पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में तैयार की गई है। जिसके अंतर्गत गोगाबील झील के जल निकासी बिंदु पर जलद्वार का निर्माण किया जाएगा।

जेपी गंगा पथ से जुड़े संपर्क पथ का तेजी से कार्य पूर्ण करें: सीएम नितिश कुमार

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी गंगा पथ अन्तर्गत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक के सम्पर्क पथ के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निमार्णाधीन कार्य को तेजी से पूर्ण करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने ओपी शाह सामुदायिक भवन, पटना सिटी एवं पटना घाट के पास रूककर निमार्णाधीन कार्य को देखा और साइट मैप के माध्यम से निर्माण कार्य से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभहोकर पटना घाट होते हुये जेपी गंगा पथ तक सम्पर्कता प्रदान करेगा। इस पथ के निर्माण से अशोक राजपथ एवं मारूफगंज मंडी क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात मिलेगी एवं जेपी गंगा पथ का एनएच-30 (पटना-बख्तियारपुर पथ) से सम्पर्कता प्राप्त होगी।

ज्ञातव्य है कि 52.54 करोड़ की लागत राशि से पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक पथ का निर्माण किया जा रहा है। इस पथ का निर्माण राज्य सरकार एवं रेलवे के बीच भूमि के परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर किया जा रहा है। यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पटना घाट होते हुए जेपी गंगा पथ तक संपर्कता प्रदान करेगा। इस पथ की कुल लंबाई 1.5 किमी है। प्रस्तावित पथ में अशोक राजपथ पर फ्लाई ओवर का प्रावधान किया गया है। पथ के दोनों तरफ दो लेन का सर्विस पथ एवं सर्विस पथ के साथ स्ट्रीट लाईट, रोड मार्किंग इत्यादि का यथोचित प्रावधान किया गया है। निरीक्षण के दौरान प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप आर. पुदकलकट्टी, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चन्द्रशेखर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

कैथी लिपि अभिलेखों के देवनागरी अनुवाद को लेकर सरकार व भाषिणी में हुआ समझौता

कैथी लिपि में लिखे गए पुराने अभिलेखों का देवनागरी में जल्द किया जाएगा लिप्यंतरण

केटी न्यूज/पटना

बिहार की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (डीआईबीडी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके तहत एआई के माध्यम से कैथी लिपि में लिखे गए पुराने अभिलेखों का देवनागरी में लिप्यंतरण किया जाएगा। यह एमओयू डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह की ओर से हस्ताक्षरित किया गया।

मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि ये बेहद ही सराहनीय शुरूआत है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अपने विभाग की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस पर बड़ी पहल की है। ये भविष्य में सभी विभागों के लिए एक अच्छा कदम साबित होगा। सभी विभाग भाषिणी के माध्यम से कनेक्ट हो सकेंगे। इसके साथ ही शिक्षा, समाज कल्याण, पर्यटन विभाग को इस सुविधा का इस्तेमाल कर लाभान्वित होने का पूरा मौका है।

कई विभागों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है: मुख्य सचिव ने कहा कि भाषिणी के साथ सहयोग बिहार सरकार के कई विभागों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। प्रशासनिक एवं अन्य समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान निकाले जा सकते हैं। कैथी लिपि में बहुत सारे रिकॉड्र्स हैं, जिसे पढ़ने के लिए काफी मुश्किलातों का सामना करना पड़ता है। रिटायर्ड कर्मियों पर विभागों की आज भी निर्भरता रहती है लेकिन आशा है कि इस तकनीक के माध्यम से अब ये खत्म होगी और लोगों की क्षमता विकसित हो सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने पाली के स्क्रिप्ट को हिन्दी और अंग्रेजी में रुपांतरित करने पर भी जोर दिया। साथ ही बिहार स्पेसिफिक हैकथॉन लॉन्च कराने का भी निर्देश दिया। वहीं, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल विशेष सर्वेक्षण की वर्तमान प्रक्रिया में भी सहायक होगी क्योंकि अधिकतर पुराने कैडस्ट्रल एवं पुनरीक्षण सर्वे अभिलेख कैथी लिपि में हैं, जिन्हें पढ़ने में काफी कठिनाई हो रही है। वहीं, डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग ने कहा कि भाषा किसी भी चीज में बाधा न रहे, इस पर जोर दिया जा रहा है। सभी को अपनी भाषा में लिखना-पढ़ना और बोलना आना चाहिए। यह पहल ऐतिहासिक ज्ञान को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

आठवीं की छात्रा का फंदे से लटका मिला शव, सरायकेला में स्कूल जाने की तैयारी के दौरान लगाई फांसी

सरायकेला,एजेंसी। सरायकेला के राजनगर थाना क्षेत्र के बड़ा कुनाबेड़ा गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। आठवीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा सुषमा महतो ने अपने घर में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। छात्रा के पिता अजय महतो को सुबह घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि घटना के समय छात्रा स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी और स्कूल ड्रेस पहन रखी थी। उसकी दादी घर में बर्तन मांज रही थीं। छात्रा की मां अपने मायके सिंगपुर गई हुई थीं। अजय महतो उषा मार्टिन में मजदूरी का काम करते हैं, जबकि छात्रा की मां गांव के ही स्कूल में शिक्षिका हैं। सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। छात्रा ने आत्महत्या क्यों की, इसका अभी तक कोई कारण सामने नहीं आया है। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पति-पत्नी के बीच विवाद में खूनी वारदात:शराबी पति ने टांगी से की पत्नी की हत्या

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के महुआरी गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की टांगी से हत्या कर दी। आरोपी बसंत भुईयां शराब के नशे में घर पहुंचा था। पति–पत्नी के बीच पिछले तीन दिनों से विवाद चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही नौडीहा बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके में छापेमारी कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के परिजन और रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पति–पत्नी के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव चल रहा था।

सरकार का ऐतिहासिक कदम : पंचायत सचिवालयों में स्थायी आधार सेवा केंद्र होंगे स्थापित

रांची,एजेंसी। झारखंड सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। गुरुवार को राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग तथा कॉमन सर्विस सेंटर–स्पेशल परपज व्हीकल (सीएससी–एसपीवी) के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौते के तहत राज्य के पंचायत सचिवालयों में स्थायी आधार पंजीकरण और अद्यतन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। यह सुविधा अब ग्रामीण जनता को उनके स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें आधार से संबंधित सेवाओं के लिए दूरस्थ शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।यह कदम समय, श्रम और संसाधनों की बचत के साथ–साथ डिजिटल समावेशन को भी बढ़ावा देगा। यह पहल झारखंड वित्त नियमावली के नियम 245 के अंतर्गत विशेष स्वीकृति के तहत संभव हो पाई है, जिसमें राज्य सरकार ने सीएससी–एसपीवी को पंचायत भवन में आधार सेवाएं संचालित करने की अनुमति प्रदान की है। झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह समझौता झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को डिजिटल पहचान से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रयास है।

आपसी विवाद में चचेरे भाई ने खेला खूनी खेल

भरनो, एजेंसी। गुमला से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां चचेरे भाई ने अपने ही भाई पर गोली चला दी। मामला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के बरांदा गांव का है। जानकारी के अनुसार, आपसी दुश्मनी में एक व्यक्ति ने अपने चचेरे भाई को गोली मार दी। हालांकि, पीड़ित की जान बच गयी है। उसे चार गोली लगी है। बताया गया कि घटना गुरुवार रात करीब 9 बजे की है। बारंदा गांव में आपसी दुश्मनी में 33 वर्षीय हेमंत साहू को उसके चचेरे भाई ने साथियों के साथ मिलकर गोली मार दी। उसे आनन–फानन में भरनो सीएचसी ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उसे रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।

डेढ़ करोड़ के लूट कांड में गिरफ्तार फुलेंद्र का भाई है दारोगा

जेल से धमकी के बाद घटना को दिया अंजाम

बोकारो, एजेंसी। बीते माह की 23 तारीख को चास के बाई पास रोड स्थित आस्था ज्वेलर्स में हुई डेढ़ करोड़ के सोने की डकैती के मामले में घटना के सात दिन बाद गिरफ्तार 33 वर्षीय फुलेंद्र कुमार उर्फ अक्षय ने कई खुलासा किया है। वह सीआरपीएफ के दारोगा रमेश सिंह बाद छोटा भाई है। इसका एक और भाई नरेंद्र बिहार पुलिस में एएसआई है। दाउदनगर औरंगाबाद बिहार का रहने वाला आरोपित के पिता धर्मदेव सिंह भी सेवानिवृत पुलिस कर्मी हैं। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपित ने अपने बारे में यह जानकारी दी है।

इसने पुलिस को बताया है कि वह 2015 में पटना बेउर महाबीर कॉलोनी में एक भाड़े के आवास में रहकर पढ़ाई करता था। इस मोहल्ले में विक्की किराना दुकान से वह राशन लेता था। इसी दुकान पर करण उर्फ देवा भी सामान लेने आता था। देवा से यहीं पर पहचान हुई।

दोनों साथ क्रिकेट भी खेलते थे। पटना की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक से बीटेक की पढ़ाई करने गया था पर पूरा नहीं हो सका। वह वर्तमान में दिल्ली की एक बिल्डर कंपनी में काम करता था।

मई माह में वह अपने भाई की शादी में औरंगाबाद आया था। भाई की शादी में वह अपने पुराने दोस्त करण उर्फ देवा को भी बुलाया था। दो जून को देवा ने फोन कर धनबाद में लीलोरी स्थान घुमाने चलने को कहा। 12 जून को वह अपने साथियों के साथ लिलोरी स्थान घुमाने आया और गहना दुकान की रेकी कर 13 जून को सभी लौट गए।

फुलेंद्र के अनुसार 22 जून को उसके साथ कुल नौ लोग डकैती की योजना को अंजाम देने के लिए पटना से धनबाद एक बार व दो बाइक से पहुंचे। लिलोरी स्थान पर रुकने का प्लान था लेकिन वहां कोई रुकने का ठिकाना नहीं होने की वजह से वह लोग धनबाद के तोपचांची स्थित पंजाबी ढाबा चले गए।

यहां वह लोग रुके। देवा उसका एटीएम कार्ड ले लिया था। इसी को लेकर उससे उसका विवाद हुआ। वह झगड़ा कर पटना जाने लगा। उसकी जेब में एक बाइक की चाबी रह गई थी। उसे फोन कर चाबी देने के लिए देवा ने बुलाया। वह वापस लौटा तो सभी लिलोरी स्थान पहुंच चुके थे।

यहां पर बेउर जेल से कुख्यात अविनाश श्रीवास्तव से देवा ने फोन से बात कराई। अविनाश ने उसे धमकी देते हुए कहा कि अगर वह डकैती की घटना को अंजाम देने नहीं गया तो जान से मार दिया जाएगा। जेल में बंद अविनाश श्रीवास्तव की डकैती की योजना बनाया था और वह देवा समेत अन्य के माध्यम से इसे अंजाम दिलवाया।

बकौल फुलेंद्र जेल में बंद अविनाश की धमकी के बाद वह डाका डालने चला गया। डकैती की घटना को अंजाम देने के बाद वह पल्सर बाइक से धनबाद लिलोरी स्थान अकेले भाग गया।आरोपित फुलेंद्र ने बताया है कि वह बोकारो में टोला प्लाजा पार कर पल्सर बाइक से सीधे लिलोरी स्थान पहुंच गया। यहां पर बाइक का इंजन खराब हो गया। वह बाइक को यहीं पर अर्ध निर्मित ईंटा के दुकान में खड़ी कर दिया।ऑटो से वह इसके बाद धनबाद रेलवे स्टेशन आया। स्टेशन के बगल में अप्सरा होटल में रात छह सौ रुपये फोन पे से भुगतान कर रहा। अगले दिन वह होटल छोड़कर इधर-उधर रहने लगा।

एक जुलाई को फुलेंद्र धनबाद के लिलोरी स्थान पर खराब पल्सर बाइक को लेने गया था। पल्सर बाइक जहां खड़ी थी वहां चास थाना पुलिस नजर रखे हुई थी। बाइक के पास पहुंचते ही फुलेंद्र दबोच लिया गया। पुलिस ने इससे पूछताछ के बाद बुधवार को जेल भेज दिया था। इसके पहले पुलिस ने इस मामले में रौशन सिंह, राहुल पटेल उर्फ डायमंड, नितेश कुमार, प्रिंस कुमार, आदित्य राज और मुसाफिर हवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जोनल कमांडर ने पूर्व नक्सली से मांगी 25 लाख की रंगदारी, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

रांची,एजेंसी। राजधानी रांची में एक पूर्व नक्सली से ही रंगदारी की मांग की गई है। रंगदारी की मांग उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के जोनल कमांडर के द्वारा की गई है। इस मामले को लेकर पूर्व नक्सली मंटू महतो ने रांची के तुपुदाना ओपी में एफआईआर दर्ज करवाया है।

रांची में तुपुदाना ओपी क्षेत्र के पुगरु गांव के रहने वाले पूर्व नक्सली मंटू महतो उर्फ मंटू साहू से पीएलएफआई के जोनल कमांडर राजेश यादव ने 25 लाख की रंगदारी मांगी है। रंगदारी की रकम देने से इनकार करने पर उग्रवादियों ने पूर्व नक्सली के घर पर गोलीबारी की घटना को भी अंजाम दिया है। इस संबंध में मंटू महतो उर्फ मंटू साहू ने जोनल कमांडर राजेश यादव समेत अन्य के विरुद्ध तुपुदाना ओपी में एफआईआर दर्ज करायी है।

मंटू महतो उर्फ मंटू साहु ने पुलिस को दिए अपने आवेदन में बताया कि वह पूर्व में नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ था लेकिन उसने पुलिस से समक्ष सरेंडर कर दिया। जेल में रहने के बाद वह बाहर निकला और अब जमीन खरीद बिक्री का काम करता है। मंटू ने पुलिस को बताया कि 26 जून को उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया। फोनकर्ता ने खुद को पीएलएफआई का जोनल कमांडर राजेश यादव बताया और कहा कि उसने तुपुदाना बालसिरिंग में एक जमीन का एकरानामा कराया। इस जमीन के एवज में संगठन को 25 लाख की रंगदारी देनी होगी, तीन दिन के भीतर अगर रकम नहीं मिला तो उसी जमीन पर उसे दफना दिया जाएगा। मंटू ने फोनकर्ता से रंगदारी देने से इनकार कर दिया।

मंटू ने पुलिस को बताया कि जोनल कमांडर राजेश की धमकी के तीन दिन बीतने के बाद स्कूटी सवार कुछ लोगों ने उसके घर पर फायरिंग की वारदात को भी अंजाम दिया है। 29 जून को रात करीब साढ़े आठ बजे स्कूटी पर सवार दो लोग पहुंचे और चार राउंड फायरिंग की।

रथ मेला में उमड़ रही भारी भीड़, रोमांचक झूले लोगों को कर रहे आकर्षित

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला में रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के पास जगन्नाथ मेला समिति द्वारा लगाए मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। गुंडिचा मंदिर में प्रभु जगन्नाथ की पूजा-अर्चना के साथ ही लोग मेला का भी लुत्फ उठा रहे हैं। मेले में आये लोग तरह-तरह के रोमांचक झूलों का भी आनंद ले रहे हैं। साथ ही मेले में लगी दुकानों से खरीदारी भी कर रहे हैं।

श्री जगन्नाथ रथ मेला समिति के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि मेले में सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था किये गये हैं। मेले में धार्मिक वातावरण बनाने के लिए भव्य देवसभा का आकर्षक दरबार सजाया गया है। दरबार के बीचों-बीच विशाल गरुड़ पर लक्ष्मी नारायण विराजित है। बाईं ओर भक्ति काल के महान भक्त मीराबाई, तुलसीदास, तुकाराम इत्यादि का चित्रण किया गया है। वहीं दाहिने तरफ हस्तिनापुर दरबार का चित्रण किया गया है, जिसमें द्रौपदी का चीर हरण और राज दरबार में जुआ खेलते कौरव और पांडव आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाये गये हैं। मेले में लोग अलग-अलग तरह के व्यंजन का लुत्फ उठा रहे हैं। मीना बाजार में जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं गुंडिचा मंदिर में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह सब मेला में आने वाले लोगों के लिए एक उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा है। आयोजन को सफल बनाने में गोविंद कुमार साहू, छोटेलाल साहू, रूपेश कुमार साहू, भोला मोहंती, संदीप कवि आदि सदस्य सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है भारत : पद्म भूषण डॉ. विजय कुमार सारस्वत

जमशेदपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला के प्लेटिनम जुबली समारोह में नीति आयोग के सदस्य सह पद्म भूषण डॉक्टर विजय कुमार सारस्वत शामिल हुए। पद्म भूषण डॉक्टर विजय कुमार ने कहा कि 11 वर्षों में भारत तकनीक और अन्य व्यवस्था में काफी आगे बढ़ गया है। आज डिफेन्स में 70 प्रतिशत आइटम बन रहा है सिर्फ 30 प्रतिशत आयात हो रहा है। हम अपने स्वदेशी निर्मित डिफेन्स आइटम का निर्यात भी कर रहे हैं।

जमशेदपुर के बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला के प्लेटिनम जुबली के तहत आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्य और पद्म भूषण डॉक्टर विजय कुमार सारस्वत ने भारत के सामरिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सामग्री शीर्षक विषय पर विचारों को रखा। इस दौरान सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉक्टर संदीप घोष चौधरी मंच पर मौजूद रहे।

इस मौके पर डॉक्टर विजय कुमार सारस्वत ने सीएसआईआर-एनएमएल को उनकी 75वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई दी और इस क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान को सराहना की। अपने व्याख्यान में डॉक्टर विजय कुमार सारस्वत ने भारत की रणनीतिक और तकनीकी भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण चीजों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।ऐतिहासिक चुनौतियों पर विचार रखते हुए हुए उन्होंने रणनीतिक सामग्रियों की कमी और विकसित भारत के संदर्भ में उनके महत्व पर ध्यान दिलाया। डॉक्टर विजय कुमार सारस्वत ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों और पवन टरबाइन घटकों का अधिकांश हिस्सा महत्वपूर्ण सामग्रियों पर निर्भर करता है, जो टिकाऊ और उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए उनके अहमियत को साबित करता है। व्याख्यान में महत्वपूर्ण धातुओं और सामग्रियों के मूल्य श्रृंखला पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।नीति आयोग के सदस्य पद्म भूषण डॉक्टर वीके सारस्वत ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारे यहां जो भी खनिज संपदा है, उसमें कई ऐसे खनिज है, जो बहुत कम मात्रा में निकलते हैं। लो क्वालिटी खनिज संपदा के लिए राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला रिसर्च कर कोई नई तकनीक विकसित करें, ताकि उसका उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल रहे। 7 लाख से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हुए। आईआईटी में रिसर्च सेंटर खुले, कई तरह के काम हुए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जो सुविधा प्रदान की जा रही है, उसे सबसे अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास हो रहा है।वहीं हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में उन्होंने कहा कि अगर कुछ आग्नेयास्त्र को हम छोड़ दें, तो अधिकांश हथियार हमारे देश में ही बन रहे हैं।

मुहर्रम जुलूस के दौरान नहीं बंद होगी बिजली आपूर्ति

रांची, एजेंसी। झारखंड में छह जुलाई रविवार को मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली की आपूर्ति बंद नहीं होगी। इसे लेकर झारखंड बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) ने मुहर्रम जुलूस के आयोजकों व आम जनता से अपील की है। साथ ही नियमों का पालन करने का आग्रह किया है।

रांची के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने भी यह अपील जारी की है। मालूम हो कि मुहर्रम जुलूस में एहतियात बरतते हुए ताजिया, वाहनों पर लगे साउंड सिस्टम व झांकियों की अधिकतम ऊंचाई अधिकतम चार मीटर रखने की अपील की गयी है।

मुहर्रम जुलूस में निकलने वाले ताजिया, वाहनों पर लगे डीजे व झांकियों की अधिकतम ऊंचाई चार मीटर (13 फीट) तक सीमित हो। बसों व अन्य बड़ी वाहनों की छतों पर कोई व्यक्ति न बैठे एवं उस पर किसी तरह की कोई ऊंची सामग्री ऊंचा ताजिया लगा न हो। किसी भी हाल में इनकी ऊंचाई जमीन से चार मीटर (13 फीट) से ज्यादा नहीं होनी चाहिये।

मुहर्रम जुलूस समितियों द्वारा पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर को तैनात करना होगा। ताकि जुलूस के दौरान वॉलेंटियर जुलूस के साथ चल रहे आम जनता पर लगातार विशेष नजर रख सकें। ताकि किसी प्रकार की गलती व लापरवाही से कोई दुर्घटना न हो।आम जनता और जुलूस में शामिल लोग रास्ते में पड़ने वाले बिजली के पोल, तार एवं अन्य बिजली के उपकरणों को छूने अथवा किसी डंडे या अन्य माध्यम से भी संपर्क करने की कोशिश नहीं करें।

रांची के बुढ़मू में एक साढ़े 3 साल की मासूम को उसके चाचा ने ही दुष्कर्म का शिकार बना लिया। पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इधर नाबालिग का फिलहाल रिम्स में इलाज चल रहा है।

राजधानी रांची से हैवानियत का एक बेहद ही शर्मनाक मामला सामने आया है। रांची के बुढ़मू में एक साढ़े 3 साल की मासूम को उसके चाचा ने ही दुष्कर्म का शिकार बना लिया। मामले में ठाकुरगांव पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान ठाकुरगांव निवासी 22 वर्षीय युवक आकाश लोहरा के रूप में हुई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 2 जुलाई की रात आरोपी युवक आकाश गांजे के नशे में धुत होकर घर आया था। सभी घर वालों के सोने के बाद आकाश गहरी नींद में सो रही नाबालिग बच्ची को उठाकर अपने बिस्तर पर पर ले गया और दुष्कर्म किया। इसी बीच बच्ची के रोने के आवाज सुनकर उसके माता-पिता उठे। जब वे बच्ची के पास पहुंचे तो, देखा बच्ची के प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था।

नाबालिग के माता पिता बच्ची की स्थिति को देखते हुए तुरंत उसे लेकर रिम्स पहुंचे। रिम्स में बगैर प्राथमिकी के इलाज से इंकार कर दिया गया, जिसके बाद परिजनों ने ठाकुरगांव थाना में मामला दर्ज करवाया। मामले की छानबीन करते हुए पुलिस ने रातु थाना क्षेत्र से आरोपी को मोबाइल लोकेशन के आधार पर गिरफ्तार किया। इधर नाबालिग का फिलहाल रिम्स में इलाज चल रहा है।

राज्य सरकार पर भड़के बाबूलाल मरांडी, बोले- युवाओं के मुद्दे पर बेपरवाह सीएम हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड में एक बार फिर उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया विवादों में घिरी हुई है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन पर युवाओं के मुद्दे से बेपरवाह होने का आरोप लगाया है। बाबूलाल ने कहा कि झारखंड में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो चुका है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चुनाव से पूर्व राज्य सरकार ने उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़ आयोजित कराई थी। सरकार के कुव्यवस्था और हठधर्मिता के कारण कई युवाओं की मौत होने लगी। लेकिन सरकार ने दौड़ को नहीं रोका, जिससे मौत का आंकड़ा बढ़ता ही चला गया। युवाओं को उम्मीद थी कि सरकार जल्द लिखित परीक्षा लेगी, लेकिन सरकार गठन के बाद 6 माह बीत जाने के बाद भी परीक्षा न होने के कारण अबतक उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया पर संशय बना हुआ है।

भाजपा नेता कहते हैं कि झारखंड के युवा हेमंत सरकार की राजनीति का सबसे आसान शिकार हैं। उन्होंने कहा कि साधन संपन्न धनाढ्य परिवार में जन्म लेने के कारण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने युवावस्था में साधारण युवकों के संघर्ष को महसूस नहीं किया है। इसलिए उनकी शासन पद्धति में भी युवाओं के प्रति संवेदनहीनता नजर आती है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी का आरोप है कि सीएम हेमंत सोरेन युवाओं के मुद्दे से बेपरवाह नजर आते हैं। जब भी युवाओं द्वारा नौकरी की मांग की जाती है तो परीक्षा कैलेंडर का झुनझुना थमा दिया जाता है। आज झारखंड में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो चुका है। न कोई ठोस नियोजन नीति, न पारदर्शी परीक्षा, न ससमय रिजल्टज युवाओं को मिलता है तो सिर्फ फर्जी आश्वासन।

भोगनाडीह हिंसा को लेकर झामुमो ने फूंका भाजपा का पुतला, साजिश रचने का लगाया आरोप

11

दुमका,एजेंसी।

हूल दिवस के मौके पर भोगनाडीह में आयोजित सरकारी कार्यक्रम में बाधा डालने समेत मुख्यमंत्री के खिलाफ साजिश रचने के विरोध में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने पाकुड़ में जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम के नेतृत्व में बीजेपी का पुतला दहन किया। पुतला दहन में शामिल झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी एवं उनके नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रशासन से भोगनाडीह में घटी घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि भोगनाडीह में विशेषकर हूल दिवस पर भयानक साजिश रची गई थी, जो साहिबगंज प्रशासन की सूझबूझ से नाकाम हो गई। एजाजुल इस्लाम ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश रचने में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के करीबी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने भोगनाडीह में हूल दिवस पर घटी घटना को बीजेपी की हताशा एवं निराशा का परिचायक बताते हुए इस साजिश में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि चंपाई सोरेन के करीबियों ने जमशेदपुर से आकर यहां हथियार बांटने का काम किया है।

जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने कहा कि यदि पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सक्रिय नहीं होते तो एक बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि इस घटना की साजिश रचने वाले एवं घटना को अंजाम देने वाले लोगों पर प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करें, इसकी झामुमो मांग करता है।

साहिबगंज में 30 जून को भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन हुए मारपीट का ठीकरा झामुमो, बीजेपी के मत्थे फोड़ रही है। झामुमो के साहिबगंज जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये साजिश, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, चंपाई सोरेन और पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम के इशारे पर की गई है। इसी के विरोध में झामुमो कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रेलवे स्टेशन चौक पहुंचकर भाजपा का पुतला दहन किया।

इस दौरान झामुमो के कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, चंपाई सोरेन, लोबिन हेंब्रम समेत अन्य भाजपा नेताओं के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने कहा कि सिदो कान्हू की पावन धरती पर जिस प्रकार बीजेपी ने साजिश रची है, उसके विरोध में केंद्रीय समिति के दिशा निर्देश पर बीजेपी नेताओं का पुतला दहन किया गया है।

जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने भाजपा नेताओं को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि अब भी वक्त है सुधर जाओ वरना कहीं के नहीं रहोगे। उन्होंने आगे कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार पवित्र स्थान पर गंदी राजनीति की शुरुआत की गई है। सभी जानते हैं कि झारखंड में बीजेपी नेताओं की कोई पकड़ नहीं है। न ही क्षेत्र में जाने की हिम्मत है।

उन्होंने कहा कि मंडल मुर्मू, सिदो कान्हू के छठे वंशज हैं लेकिन उसके साथ-साथ वह बीजेपी के कार्यकर्ता भी हैं। राजाराम मरांडी ने आगे बताया कि क्षेत्र के लोग यह भी कह रहे हैं कि सिदो कान्हू के वंशज कहलाने वाले मंडल मुर्मू का डीएनए टेस्ट करवाया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीजेपी सरकार ने सिदो कान्हू के संघर्ष के बाद बने सीएनटी-एसपीटी एक्ट को खत्म करने का प्रयास किया था उसके साथ मंडल मुर्मू बीजेपी में कैसे चले गए

झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से दुमका के बड़ा बांध चौक पर भाजपा का पुतला दहन कर विरोध किया गया।

झामुमो नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 30 जून के दिन हूल दिवस के अवसर साहिबगंज के भोगनाडीह सिदो कान्हू पार्क स्थल में पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों के बीच झड़प के लिए बीजेपी जिम्मेदार है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि बीजेपी की साजिश के चलते इस तरह की घटना हुई है।

भाजपा के नेता संथाल परगना के तहत आदिवासी को आदिवासी से लड़ाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। इस क्षेत्र को मिजोरम बनाना चाह रही है। हूल दिवस यहां के आदिवासी और मूलवासी उत्साह और उमंग के साथ मनाते आए हैं लेकिन घटनास्थल पर बंदूक और हथियार का क्या काम था एक सोची समझी साजिश के तहत बीजेपी ने राज्य सरकार को बदनाम करने की साजिश रची है। पार्टी के जिला इकाई के प्रवक्ता अब्दुल सलाम ने कहा कि झामुमो, बीजेपी के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। यहां के आदिवासी और मूलवासी इस नापाक इरादों का मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं। हमारे गुरूजी शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नजर संथाल परगना पर है, यहां षड्यंत्र रचने वालों की चलने वाली नहीं है। इस तरह की घटना शर्मनाक है जिसको जेएमएम बर्दाश्त नहीं करेगा।

चार दिनों से बाधित है परिवहन विभाग की वेबसाइट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद सहित पूरे राज्य में परिवहन विभाग की वेबसाइट बीते चार दिनों से बाधित है। इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरटीओ कार्यालय आने वाले लोगों की शिकायत है कि वेबसाइट से कोई भी जरूरी फॉर्म डाउनलोड नहीं हो पा रहा है। जिन्होंने लाइसेंस आदि के लिए आवेदन किया है, उनका फॉर्म भी डाउनलोड नहीं हो रहा है। इस वजह वे ड्राइविंग टेस्ट का स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, फिटनेस व डुप्लीकेट लाइसेंस से जुड़ी सेवाओं में आ रही है। कई लोगों ने पहले से स्लॉट बुक कर रखा है, लेकिन वेबसाइट से फॉर्म और रसीद नहीं मिलने के कारण प्रक्रिया अधूरी रह जा रही है।

नकली शराब मामले में उत्पाद विभाग के एसआइ सस्पेंड, इंस्पेक्टर लाइन क्लोजसरकारी शराब दुकान में नकली शराब मिलने के मामले में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है, वहीं इंस्पेक्टर जमन कुजूर को लाइन क्लोज किया गया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों रांची की टीम ने मेमको मोड़ व गोल बिल्डिंग स्थित सरकारी शराब दुकान में औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान मेमको मोड़ में 18 बोतल नकली शराब मिली थी और तीन कर्मचारी पकड़े गये थे। वहीं गोल बिल्डिंग में भी नकली शराब के साथ दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था।

सुभाषितम्

यदि आप वही करते हैं, जो आप हमेशा से करते आये हैं तो आपको वही मिलेगा, जो हमेशा से मिलता आया है। -टोनी रॉबिंस

बैंक में जमा राशि का पूर्ण बीमा क्यों नहीं

भारतीय बैंकों में करोड़ों लोगों की राशि बचत खाते और एफडी के रूप में जमा है। सरकार ने बैंकों को अब दिवालिया कानून के अंतर्गत ला दिया है। बैंक में ग्राहकों की जमा राशि पर पहले एक लाख, बाद में 2 लाख और अब अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इस बीमा की वर्तमान पाँच लाख रुपए की सीमा को दस लाख तक करने की चचाएँ संसद ओर वित्त मंत्रालय में हो रही हैं। सवाल यह है, कि जब सरकारी बैंकिंग को सबसे सुरक्षित समझा जाता था। अब बैंक दिवालिया कानून की जद में आ गए हैं। बैंकों में जमाकर्ता की पूरी रकम सुरक्षित होनी चाहिए। बैंकों में जो राशि जमा है। बैंक डूबने की स्थिति में जमा करता को बैंक में जमा पूरी राशि वापस मिलनी चाहिए। बैंकों के साथ अनुबंध के तहत नागरिक अपनी जीवनभर की बचत बैंकों को सौंपते हैं। डिपॉजिट इंश्योरेंस योजना 1962 से लागू है। आरंभिक सीमा 1,500रुपए थी। बढ़ते-बढ़ते 1993 में इस राशि को एक लाख और 2020 में 5 लाख किया गया। अब वित्त मंत्रालय इस सीमा को संशोधित करने पर विचार कर रहा है। आँकड़े बताते हैं, कि 97.8 प्रतिशत बैंक खाते पूरी तरह से बीमित हैं। इसके बाद भी कुल जमाराशि का केवल 43.1प्रतिशत राशि ही बीमा के दायरे में आती है। बैंक के खाते भले सुरक्षित लगें, पर ?500000 से अधिक जमा राशि आज भी जोखिम में है। बीमा का मूल उद्देश्य प्रत्येक जमाकर्ता के धन वापसी की गारंटी होनी चाहिए। बीमित बैंक खाते में ह्वमिनिमम गारंटीह्व का औचित्य बैंक ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी है। बैंकों का जोखिम आम जमाकताओं के कंधों पर क्यों डाला जा रहा है। मार्च 2024 तक डिपॉजिट इंश्योरेंस फंड में 1,98,753 करोड़ रुपए उपलब्ध थे। वर्ष 2024 मे बैंकों ने 23,879 करोड़ प्रीमियम जमा किया। बीमा दावों का भुगतान केवल 1,432 करोड़ का हुआ। ये आँकड़े दशार्ते हैं, कोष के पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है। बैंक यदि दिवालिया होते हैं, तो अनियंत्रित दावों की स्थिति में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान हो सकती है। इसलिए सरकार और बीमा फंड, बैंकों में जमा राशि को एक निश्चित राशि तक ही बीमा से कवर करने की बात करता है। हालिया मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार 10 लाख या उससे अधिक के विकल्प पर विचार कर रही है। इससे अधिकांश मध्यमवर्गीय खाताधारकों की पूँजी कुछ हद तक सुरक्षित हो जाएगी। मौजूदा निःशुल्क सीमा 10 लाख के ऊपर की राशि के लिए जमाकर्ता को एक ऐड-ऑन कवर की सुविधा दी जानी चाहिए। जैसे वाहन बीमा में ऐक्सेसरी को कवर किया जाता है। पिछले 10 साल से बैंकों में जिनके खाते हैं। उन खाता धारकों से सुनयोजित रूप से लूट की जा रही है। पहले एटीएम पर चार्ज लगाया, फिर बैलेंस, एसएमएस, चेक, मिनिमम बैलेंस एवं तरह-तरह के शुल्क वसूल कर बैंक अपने उपभोक्ताओं का शोषण कर रहा है। जिन लोगों की जमा राशि के ब्याज से उनका मासिक खर्च चलता है। बैंक ब्याज दरें घटती चली जा रही हैं। लोग अपना जरूरी खर्च भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब बैंकों में जमा राशि भी सुरक्षित नहीं रही। करोड़ों लोगों की जीवन भर की कमाई बैंकों में जमा है। ऐसी स्थिति में लोगों की चिंता बढ़ रही है। केंद्र सरकार जितने भी नियम कायदे कानून बना रही है, उसमें उपभोक्ताओं के हितों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। केंद्र सरकार बैंकों और कॉर्पोरेट हितों का ध्यान रखते हुए बैंक उपभोक्ताओं को बैंक की कमाई का जरिया बना रही है। आयकर के नियम इस तरीके के बना दिए गए हैं। हर लेन-देन बैंक के माध्यम से होते हैं। एक निश्चित राशि से ज्यादा नगद राशि घर पर नहीं रखी जा सकती है। एक निश्चित राशि से ज्यादा का नगद लेन-देन नहीं हो सकता है। बैंकों में जमा रकम से ऑनलाइन धोखाधड़ी हो रही है। सरकार ने बैंक के उपभोक्ताओं को भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। हर साल अरबों रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हो रही है। जिनके खाते से धोखाधडी हुई है, वह साइबर क्राइम ब्रांच, पुलिस और बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं। न उन्हें पैसा मिल रहा है।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

सहकारिता एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी समाधान है

-किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि किसी भी क्षेत्र में कोई भी काम अकेले करते हैं तो उनकी क्षमता सीमित होती है परंतु यदि वही एक से अधिक व्यक्तियों के सामूहिक कार्यों से किया जाए तो उनकी ताकत, बल, संसाधन,ज्ञान तेजी से कई गुना अधिक हो जाता हैजिसमें आने वाली हर चुनौतियों का मुकाबला कर सफलता पानें की सटीक कुंजी है,यानें हम आपसी सहयोग कर एक संगठन बनाकर, जिसे सहकारी समिति कहा जाता है, कोई भी काम मजबूती से कर सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सहकारी समितियां एक और एक ग्यारह की तरह काम करती हैं क्योंकि वे सदस्यों के सामूहिक प्रयासों और सहयोग के माध्यम से अधिक ताकत और सफलता प्राप्त करती हैं। व्यक्तिगत रूप से, सदस्यों की क्षमताएं सीमित हो सकती हैं, लेकिन जब वे एक साथ आते हैं और एक सहकारी समिति के रूप में काम करते हैं, तो वे अधिक संसाधन, ज्ञान और शक्ति प्राप्त करते हैं, जिससे वे बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अधिक हासिल कर सकते हैं।संसाधनों का एकीकरण, जोखिम साझा करना,ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान- प्रदान,बार्गेनिंग पावर, सामुदायिक विकास का लक्ष्य होता है, क्योंकि सब मिलकर कर रहे हैं, इसीलिए ही हम 5 जुलाई 2025 शनिवार को हम अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मना रहे हैं। चूँकि वैश्विक स्तरपर सहकारी उद्यनशीलता पारिस्थितिकी तंत्र प्रतिष्ठा को मजबूत करना, सहयोगपूर्ण कानून व नीतिगत कार्य मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सहकारिता एक बेहतर विश्व का निर्माण करती है, सहकारिता क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक संगम से सटीक सफलता की गारंटी हैं, सहकारिता एक बेहतर दुनियाँ के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान है। साथियों बात अगर हम 5 जुलाई 2025 शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस मनानेकी करें तो सहकारिताः बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है,क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान हो रहा है - एक दुर्लभ, दशक में एक बार आने वाला अवसर,जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक लचीले समाजों के निर्माण में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के दौर में, इस वर्ष की थीम बहुत कुछ कहती है। सहकारी समितियाँ - अपने सदस्यों के स्वामित्व वाली और उनके द्वारा संचालित व्यवसाय - यह दिखा रही हैं कि लाभ से पहले लोगों, ग्रह और उद्देश्य को प्राथमिकता देकर मजबूत समुदायों का निर्माण कैसे संभव है। स्वास्थ्य और आवास से लेकर कृषि, वित्त और स्वच्छ ऊर्जा तक, सहकारी समितियाँ वास्तविक दुनिया के समाधान प्रदान कर रही हैं जो समावेशी, लोकतांत्रिक और टिकाऊ हैं ।कॉप्सडे 2025 दो प्रमुख वैश्विक प्रयासों से भी जुड़ता हैः संयुक्त राष्ट्र का उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच , जो प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों की समीक्षा कर रहा है, और सामाजिक विकास के लिए आगामी दूसरा विश्व शिखर सम्मेलन । ये मील के पत्थर हमें याद दिलाते हैं कि सहकारी समितियाँ केवल स्थानीय समाधान नहीं हैं - वे बदलाव के लिए एक वैश्विक आंदोलन का हिस्सा हैं ।सहकारी दिवस 2025 मनाने में हमारे साथ शामिल हों , और जागरूकता बढ़ाने में मदद करें कि कैसे सहकारी समितियां बेहतर विश्व के लिए प्रगति में सहायक हो रही हैं। इस वर्ष के आयोजन के उद्देश्य (1)जन जागरूकता बढ़ाएँ : सतत विकास में सहकारी समितियों के योगदान पर प्रकाश डालें। (2) वृद्धि और विकास को बढ़ावा देना : सहकारी समितियों के लिए उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र और प्रतिष्ठानों को मजबूत करना। (3) सहायक ढांचे की वकालत करना : वैश्विक स्तर पर सहकारी समितियों के लिए सक्षम कानूनी और नीतिगत वातावरण के निर्माण को प्रोत्साहित करना। (4) नेतृत्व को प्रेरित करना : उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व को बढ़ावा देना और युवाओं को सहकारी आंदोलन में शामिल करना। साथियों बात अगर हम सहकारिता को समझने की करें तो,सहकारिता आंदोलनसहकारी समितियों को ऐसे संघों और उद्यमों के रूप में स्वीकार किया गया है जिनके माध्यम से नागरिक अपने समुदाय और राष्ट्र की आर्थिक,सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उन्नति में योगदान करते हुए अपने जीवन को प्रभावी ढंग से बेहतर बना सकते हैं। सहकारी आंदोलन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मामलों में एक विशिष्ट और प्रमुख हितधारक के रूप में भी मान्यता दी गई है ।सहकारी समितियों का खुला सदस्यता मॉडल धन सृजन और गरीबी उन्मूलन तक पहुँच प्रदान करता है। यह सदस्यों की आर्थिक भागीदारी के सहकारी सिद्धांत से उत्पन्न होता हैः सदस्य अपनी सहकारी समिति की पूंजी में समान रूप से योगदान करते हैं और लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित करते हैं। क्योंकि सहकारी समितियाँ पूंजी-केंद्रित नहीं बल्कि व्यक्ति-केंद्रित होती हैं, इसलिए वे पूंजी संकेन्द्रण को न तो कायम रखती हैं और न ही बढ़ाती हैं और वे अधिक निष्पक्ष तरीके से धन वितरित करती हैं ।सहकारी समितियाँ बाहरी समानता को भी बढ़ावा देती हैं। चूँकि वे समुदाय-आधारित हैं, इसलिए वे अपने समुदायों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं - पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक रूप से। यह प्रतिबद्धता सामुदायिक गतिविधियों के लिए उनके समर्थन,स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने के लिए आपूर्ति के स्थानीय स्रोत और निर्णय लेने में देखी जा सकती है जो उनके समुदायों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करती है ।स्थानीय समुदाय पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद, सहकारी समितियाँ अपने आर्थिक और सामाजिक मॉडल के लाभों को दुनिया के सभी लोगों तक पहुँचाने की आकांक्षा रखती हैं ।वैश्वीकरण को सहकारी आंदोलन जैसे मूल्यों के एक समूह द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए; अन्यथा, यह अधिक असमानता और अतिरेक पैदा करता है जो इसे अस्थिर बनाता है ।सहकारी आंदोलन अत्यधिक लोकतांत्रिक,स्थानीय रूप सेस्वायत्त, किन्तु अंतर्राष्ट्रीय रूप से एकीकृत है, तथा संघों और उद्यमों के संगठन का एक रूप है, जिसके तहत नागरिक स्वयं सहायता और अपने स्वयं के उत्तरदायित्व पर निर्भर रहते हैं।

छत्तीसगढ़ की राजनीति और नक्सलवादः दामाद की संज्ञा में उलझी सियासत

- सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ की राजनीति में नक्सलवाद एक बार फिर एक बड़े राजनीतिक विवाद का कारण बन गया है। कुरुद के विधायक और भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता अजय चंद्राकर ने हाल ही में कांग्रेस पर नक्सलियों को ह्वदामादह्व कहकर हमला बोला, जिसके बाद कांग्रेस की ओर से तीखा पलटवार करते हुए पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने पूंजीपतियों अदानी-अंबानी को ह्वदामादह्व बताकर भाजपा पर पलटवार किया। इस बयानबाजी ने न केवल प्रदेश की राजनीतिक बहस को गर्मा दिया, बल्कि एक बार फिर यह सवाल उठाया कि क्या नक्सलवाद को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है? छत्तीसगढ़ विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर यह आरोप लगाया कि नक्सली ह्वकांग्रेस के दामादह्व हैं। उनके अनुसार, जब-जब नक्सली आए, कांग्रेस ने वैसा ही स्वागत किया जैसा कोई दामाद का करता है। उनका तर्क है कि 1980 के दशक में जब छत्तीसगढ़ (तत्कालीन मध्यप्रदेश का हिस्सा) पूरी तरह कांग्रेस के अधीन था, तब आदिवासी क्षेत्रों में कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ, जिसके चलते वहां नक्सलियों की पैठ बनी। वे इसे कांग्रेस की ह्वशोषणकारी राजनीतिह्व का परिणाम बताते हैं। उनके बयान में यह भी संकेत था कि कांग्रेस की सरकारों ने नक्सल समस्या को गंभीरता से लेने की बजाय कभी-कभी उनके प्रति नरमी दिखाई, जिससे उनकी ताकत बढ़ी। चंद्राकर ने कांग्रेस को आदिवासी हितों का सबसे बड़ा शोषक करार देते हुए कहा कि अगर आज छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद जिंदा है तो उसकी जड़ें कांग्रेस की नीतियों में हैं। अजय चंद्राकर के इस बयान पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह भगत ने कहा कि अजय चंद्राकर का बयान पूरी तरह से निराधार और असत्य है। भगत ने पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार (भाजपा) के संरक्षण में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और औद्योगिकरण के नाम पर जंगल उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अदानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों का प्रदेश में दामाद की तरह स्वागत हो रहा है। अमरजीत भगत का तर्क था कि आज अगर बस्तर-संरगुजा में विस्थापन, वनाधिकार हनन और औद्योगिक शोषण हो रहा है तो उसकी ज़िम्मेदार भाजपा की आर्थिक नीतियाँ हैं, जिनके केंद्र में कॉर्पोरेट घरानों के हित हैं, न कि आदिवासियों के हक। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कोई नई समस्या नहीं है। इसकी जड़ें 1970-80 के दशक में उस समय पड़ीं जब आदिवासी क्षेत्रों में भूमि, वन और खनिज संसाधनों की लूट शुरू हुई और राज्यतंत्र की पहुँच वहां नहीं थी। ये क्षेत्र लंबे समय तक विकास से वंचित रहे, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी थी। नक्सलवाद ने शुरू में एक ह्वविरोध की आवाजह्व के रूप में स्थान पाया। उसने स्थानीय आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के नाम पर समर्थन हासिल किया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन भी हिंसा, खून-खराबा और आतंक का पर्याय बन गया। अब यह सवाल उठने लगा है कि नक्सलवाद की पृष्ठभूमि में कौन ज़िम्मेदार है झ शोषक सरकारें, कॉर्पोरेट-राजनीति गठजोड़ या आदिवासी हितों की अनदेखी? छत्तीसगढ़ में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही समय-समय पर नक्सलवाद को अपने-अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो भाजपा इसे नक्सलियों के प्रति नरम रवैया बताकर हमला करती थी। अब भाजपा सत्ता में है तो कांग्रेस भाजपा पर पूंजीपतियों के संरक्षण में जंगल उजाड़ने और आदिवासियों को बेदखल करने का आरोप लगा रही है। यह ह्वदामादह्व शब्द की राजनीति असल में मुद्दों से भटकाव पैदा करती है। नक्सलवाद जैसे गंभीर और जटिल विषय को राजनीतिक तकरार का हिस्सा बनाकर दोनों ही दलों ने साबित किया है कि वे समस्या के समाधान में नहीं, उसे भुनाने में रुचि रखते हैं। छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा वन और खनिजों से समृद्ध है। बस्तर, सरगुजा, कांकेर, बीजापुर, दंतेवाड़ा जैसे इलाके अयस्क, कोयला, बॉक्साइट आदि से भरपूर हैं। पर यही संसाधन इन क्षेत्रों के लिए अभिशाप भी बन गए हैं। बड़े-बड़े खनन प्रोजेक्ट्स, स्टील प्लांट्स और औद्योगिक कॉरिडोरों के लिए आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित किया गया, वो भी नाममात्र के मुआवजे पर। वनाधिकार अधिनियम 2006 के बावजूद आज भी हजारों आदिवासी परिवारों को उनके हक से वंचित रखा गया है। जंगल कट रहे हैं, नदियां सूख रही हैं, और इसके बदले स्थानीय लोगों को बेरोजगारी, पलायन और शोषण का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार कॉर्पोरेट घरानों के साथ खड़ी है। विशेष रूप से अदानी और अंबानी जैसे समूहों को खदानें, बिजली प्रोजेक्ट्स, ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और औद्योगिक पार्कों के ठेके मिल रहे हैं। इसके बदले आदिवासी क्षेत्रों को उजाड़ा जा रहा है। यहाँ ये सवाल उठता है झ क्या विकास की कीमत आदिवासियों की संस्कृति, पहचान और अधिकारों की बलि देकर चुकाई जा रही है? क्या सरकारें केवल उन निवेशकों के लिए नीति बना रही हैं जो पूंजी लाते हैं, जबकि स्थानीय समुदायों को ह्वविकास की बाधाह्व मानकर नजरअंदाज कर दिया गया है? सरकारें नक्सलवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, जबकि यह एक सामाजिक-आर्थिक विसंगति की उपज है। पुलिस और सेना की कार्रवाई, सड़क, बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाएं एक स्तर तक असरदार हो सकती हैं, पर जब तक मूलभूत हक जैसे भूमि का स्वामित्व, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह समस्या उभरती ही कौन किसका दामाद है? झ यह सवाल सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक विमर्श के पतन की निशानी है। नक्सलवाद, आदिवासी हित, औद्योगिकरण, विस्थापन झ ये सब गंभीर विषय हैं, जिन पर ठोस नीति, विचार और बहस की जरूरत है। लेकिन दुर्भाग्यवश, यह सब मुद्दे अब बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और भावनात्मक प्रोपेगेंडा तक सीमित होकर रह गए हैं। छत्तीसगढ़ के लिए आगे की राह सिर्फ सुरक्षा बलों के भरोसे नहीं हो सकती। सरकार को चाहिए कि वह नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासियों के साथ भरोसे की साझेदारी बनाए। ग्राम सभा को अधिकार दें, वनाधिकार कानून को लागू करें, स्थानीय युवाओं को रोजगार दें और शिक्षा-स्वास्थ्य की आधारभूत संरचना पर जोर दें। साथ ही, राजनीतिक दलों को भी इस विषय पर जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए। नक्सलवाद को सिर्फ एक दामाद की उपमा देकर उसका उपहास उड़ाना।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर ? पलायन को मजबूर प्रदेश का युवा

- मयंक डहेरिया

जैसे जैसे चुनाव के वर्ष का समय नजदीक आता है वैसे वैसे सत्ता में बैठी सरकार भी योजनाओ को गति देने में लग जाती हैं। मध्यप्रदेश के कुछ वर्गो को लुभाने के लिए सरकारी खजाने के भंडार खोल दिए जाते हैं। भाजपा का कांग्रेस के लिए तंज भी वही पुराना वाला शुरू हो जाता कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने वर्षो से इस देश में राज किया लेकिन लोगों के लिए क्या किया केवल मुफ्त की रेवडियां बांटी हैं। लेकिन भाजपा सरकार यह कैसे भूल जाती है कि वो खुद रेवडियां बांटकर ही लगातार चुनाव जीत रही है। दुख इस बात का है कि भाजपा जिन लाड़ली बहनों को हर माह रूपए दे रही है, क्या उन्हें इस बात की जानकारी नही है कि इन बहनों के पढ़े लिखे बेटे बेटियों को भी रोजगार की शक्त जरूरत होगी ? क्या 1250 रुपए में इन बहनों का घर चल सकता है ? आज इनके घरों में बैठे पढ़े लिखे युवाओ के पास कोई विकल्प नही हैं। केवल दूसरे राज्यों में पलायन के सिवा ? मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार बेरोजगारी के मुद्दे में पूरी तरह से फेल और मौन रही है। बीते वर्षों में कुंभ के मेले की तरह 12 वर्षों में आई राजस्व विभाग में पटवारी की नौकरी भी खुद भाजपा की भेंट चढ़ गई। प्रदेश में 6 हजार पदों पर 12 लाख आवेदन आए थे जिसमें 4 लाख से अधिक आवेदन करने वाले वो बेरोजगार थे, जिन्होंने इंजिनियर, एम बीए, और पीएचडी की परीक्षा उत्तीर्ण थी। जिसमें स्नातकोत्तर के 01 लाख 80 हजार, एमबीए के 80 हजार, इंजिनियर बीईड्ड और बीटेक के 85 हजार और पीएचडी के 1000 छात्रों ने पटवारी परिक्षा के लिए आवेदन किया था और जिसके के लिए अभ्यर्थी से 300 रूपए फीस भी ली गई थी। इस परीक्षा में ऐसे मेहनतकश ईमानदार प्रतियोगी भी शामिल हुए थे जिनकी तैयारी वर्षों से चल रही थी जिनका परीक्षा में फेल होना संभव ही नही था । दूसरी तरफ भाजपा सरकार के भ्रष्ट तंत्र में उसी वर्ष ग्वालियर के एक ही सेंटर से 7 गधों ने टॉप करके सबको चौंका दिया था। जब हमारे सहयोगी पत्ररकारों इन टॉपर से बात की इनका इंटरव्यू लिया तो इसमें से एक टॉपर ने मध्यप्रदेश की राजधानी को ग्वालियर बनाकर रख दिया था। इससे बड़ी शर्मनाक की बात कुछ और नही हो सकती। एक ही सेंटर से टॉप करने का जब यह मामला सामने आया था उस समय शिवराज सरकार ने अपनी साख बचाने के लिए परीक्षा के बाकी परिणाम भी तुरंत रोक दिए। या यू कहिए कि एक प्रकार से पूरी परीक्षा के परिणाम ही रद्द कर दिए गए। जिन अभ्यर्थीयों ने मेहनत मजदूरी करके अपनी फीस भरी थी सरकार ने वो भी डकार गई। इन बेरोजगारों से लगभग 3 हजार 600 करोड़ रूपए फीस वसूली गई और न नौकरी मिली और ना ही फीस के रूपए वापस हुए। इस प्रकार सरकार ने उल्टे बेरोजगारों से ही अपनी तिजोरी भर ली ।मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने 22 वर्षो के कार्यकाल में बेरोजगारों को छला है कभी व्यापमं घोटाले में तो कभी पटवारी परीक्षा घोटाले में। यशोधरा राजे सिंधिया ने भी उस समय विधान सभा में इस बात को स्वीकारा था कि प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में रजिस्टर्ड शिक्षित बेरोजगारों की संख्या उस समय 37 लाख 80 हजार 679 थी । जिन्हें आज तक रोजगार नही मिला ।

आज का राशिफल

मेष धन सम्मान का लाभ होगा। भूमि, भवन, वाहन आदि से संबंधित किसी बड़ी डील में लाभ मिल सकता है।

वृषभ आज कारोबार में उन्नति के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में कुछ नए क्लाइंट जुड़ सकते हैं।

मिथुन दिन अनुकूल रहेगा और आपको अचानक से बड़ी मात्रा में कहीं से रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कर्क धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह दिन भाग्यशाली है और धन लाभ के लिए दिन शुभ है। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

कन्या आर्थिक दृष्टि से समय बेहतर हो रहा है। व्यापारियों के लिए नए अवसर उभर सकते हैं।

तुला आज आर्थिक मामलों में बड़ा लाभ होने के योग हैं। व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभप्रद है।

वृश्चिक दिन काफी खर्चीला रहेगा और आपको आमदनी से अधिक व्यय करना पड़ सकता है।

धनु आज तरक्की के योग बन रहे हैं। भाग्यवश अचानक धन लाभ हो सकता है।

मकर आज दिन अनुकूल है और आपको कार्यक्षेत्र में परिश्रम के अनुसार लाभ मिलेगा।

कुंभ कारोबार में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। पार्टनर्स के साथ कोई बड़ी डील पक्की हो सकती है।

मीन आज आर्थिक लाभ होगा। रोजगार और आर्थिक प्रयासों में सफलता मिलेगी।

विशेष

किसी भी सरकार को विपक्ष पसंद नहीं आता है

सरकार कोई भी हो,उसके लिए विपक्ष हमेशा मुसीबत खड़ी करता है। कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है। कांग्रेस हमेशा विपक्ष से परेशान थी। कांग्रेस का लोकतांत्रिक स्वरूप होने के कारण सरकार विपक्ष को जवाब देती थी। आरोपों की जांच भी कराती थी। सरकार अपने ही नेताओं को जेल भेज देती थी। भाजपा विपक्ष के सारे क्रियाकलाप को जानती है। भाजपा कई दशकों तक विपक्ष में रही है ।इसलिए भाजपा विपक्ष के किसी भी आरोप का जवाब नहीं देती है ।किसी भी आरोप की जांच नहीं कराती है। सरकार आरोप प्रमाणित हो जाने के बाद भी इस्तीफा नहीं लेती है। कोर्ट से अंतिम निर्णय ना आ जाए, तब तक कोई कार्यवाही नहीं करती है। विपक्षी दल कांग्रेस को अब समझ आ रहा है। विपक्ष हमेशा आरोप लगाता है।

सामाजिक न्याय की पार्टी कांग्रेस?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिस तरह से जाति जनगणना की लड़ाई लड़ रहे थे। 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण करने की मांग कर रहे थे। जिसकी जितनी आबादी उसका उतना अधिकार जैसे नारों के साथ कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों की पार्टी बनने का प्रयास कर रही है ।मनुस्मृति को लेकर भाजपा संघ और पंडितवाद पर हमला करते हुए सामाजिक न्याय की जो लड़ाई कांग्रेस लडाई रही है। सरकार को उनकी बात माननी पड़ी। जाति जनगणना और सामाजिक न्याय ने भाजपा की चिंता को बढ़ा दिया है। 10 साल पहले राहुल गांधी को पप्पू समझा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1556 फ्रांस नरेश हेनरी द्वितीय ने हैम्पसबर्ग के खिलाफ युद्ध पुनः शुरू किया. 1658 औरंगजेब ने मुराद को जेल में डाल दिया. 1796 ब्रिटिश सैनिकों ने एल्वा द्वीप पर कब्जा किया. 1810 अमरीका में सर्कस के क्षेत्र में अग्रणी पी. टेलर बार्नम का जन्म हुआ. 1811 वेनेजुएला ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1812 ब्रिटेन ने रूस और स्वीडन से शांति संधि की. 1830 फ्रांस ने अल्जीरिया पर हमला कर अल्जीयर्स पर कब्जा कर लिया. 1940 द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांस ने ब्रिटेन से संबंध तोड़ लिए. 1943 सोवियत मोर्चे पर जर्मनी ने जवाबी कार्यवाही शुरू की. 1947 भारतीय स्वाधीनता अधिनियम- 1947 को ब्रिटिश संसद ने पारित किया. 1959 इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्ण ने संविधान सभा भंग कर दी.

दैनिक पंचांग

5 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.13 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.29 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.41 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.06 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.28 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.47 बजे से
		मेष	00.17 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	वृष	01.57 बजे से
		मिथुन	03.56 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 186 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.52 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 20.36 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.47 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872396
जूलियन दिन 2460861.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कब से शुरू हो रहे हैं चातुर्मास

शास्त्रों में चातुर्मास के दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्यों को करना वर्जित बताया गया है। चातुर्मास के समय देवी-देवताओं की पूजा करना अत्यंभ लाभकारी और शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब शुरू होंगे और कब इसका समापन होगा।

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व बताया गया है। चातुर्मास के शुरू होते ही सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के प्रारंभ होते ही भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद प्रभु नारायण देवउठनी एकादशी के दिन ही जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन ही चातुर्मास का समापन होता है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब से शुरू हो रहे हैं और इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही क्यों होती है।

कब से शुरू हो रहे हैं?

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास शुरू होता है, जो कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि तक रहता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, चातुर्मास की शुरुआत देवशयनी एकादशी से होती है। इस साल देवशयनी एकादशी का व्रत 6 जुलाई, रविवार को रखा जाएगा। देवशयनी एकादशी के दिन ही भगवान विष्णु पूरे 4 महीने के लिए योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके बाद देवउठनी एकादशी के दिन श्री हरि योग निद्रा से बाहर आएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब तक विष्णु जी योग निद्रा में रहते हैं तब तक संसार का संचालन भगवान शिव करते हैं।

चातुर्मास के दौरान क्या नहीं करना चाहिए?

भगवान विष्णु के शयन काल से लेकर जागने तक की समय को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ करना पुण्यकारी फलों की प्राप्ति वाला माना जात है। वहीं चातुर्मास के समय मांगलिक कार्य जैसे- शादी-विवाह, मुडंन, जनेऊ, नया वाहन खरीदना, नई प्रॉपर्टी खरीदना, घर का निर्माण नया बिजनेस शुरू करना और भूमि पूजा जैसे आदि कार्यों को करने से बचना चाहिए।

शुरू होने वाला है चातुर्मास, चार माह के लिए बंद हो जाएंगे शुभ और मांगलिक कार्य

सनातन धर्म के ज्यादातर लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त जरूर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों का फल हमेशा शुभ ही मिलता है। हालांकि साल में चार महीने ऐसे भी होते हैं, जब कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि इस साल चातुर्मास का आरंभ और समापन कब हो रहा है? इसी के साथ हम आपको ये भी बताएंगे कि चातुर्मास में क्यों कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है?

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व होता है। चातुर्मास जिसका सामान्य अर्थ होता है चार महीने। चातुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु को समर्पित होते हैं। धार्मिक कर्मकांड और ज्योतिषशास्त्र में चातुर्मास का खास महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि, जिसे देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है चातुर्मास की शुरुआत होती है। आइए जानते हैं इस वर्ष कब से चातुर्मास की शुरुआत होने जा रही है और इसका क्या महत्व है।

कब से शुरू होंगे चातुर्मास

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है और इसका समापन देवउठनी एकादशी पर होता है। इस बार चातुर्मास की शुरुआत 6 जुलाई, रविवार को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से ही चातुर्मास का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन 1 नवंबर, शनिवार को देवउठनी एकादशी के साथ होगा।

चातुर्मास का महत्व

हिंदू धर्म में आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से लेकर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि तक का विशेष महत्व होता है। इस दौरान ही चातुर्मास लगता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास के चार महीनों के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में माता लक्ष्मी की साथ योग निद्रा में होते हैं। सनातन धर्म के अनुसार सृष्टि का संचालन भगवान विष्णु के हाथों में होता है, लेकिन चातुर्मास के दौरान चार महीनों के लिए भगवान विष्णु वैकुंठ धाम को छोड़कर पाताललोक में वास करते हैं। ऐसे में इस दौरान किसी किसी भी तरह का कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करना वर्जित होता है। ऐसी मान्यता है कि चातुर्मास में भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने के कारण सृष्टि के संचालन का समस्त कार्यभार भगवान शिव के हाथों में आ जाता है। इसी कारण से जैसे ही चातुर्मास शुरू होता है, फिर आषाढ़ माह के समापन होते हैं श्रावण माह की शुरुआत होती है, जिसमें भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा आराधना होती है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा में होने कारण सभी देवी-देवता भी योग निद्रा में चले जाते हैं।

चातुर्मास में क्या करें और क्या नहीं

- भगवान विष्णु को न चढ़ाए जाने वाले खाद्य पदार्थ, मसूर, मांस, लोबिया, अचार, बैंगन, बेर, मूली, आंवला, इमली, प्याज और लहसुन इस अवधि के दौरान वर्जित माने जाते हैं।
- पलंग पर नहीं सोना चाहिए।
- ऋतु काल के बिना स्त्रीगमन।
- दूसरों का अन्न नहीं लेना चाहिए।
- विवाह या अन्य शुभ कार्य।
- चातुर्मास में चार माह अथवा कम से कम दो माह तो एक स्थान पर रहना चाहिए।
- चातुर्मास में साधना और आत्मसंयम का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- चातुर्मास में चावल, मूंग, जौ, तिल, मूंगफली, गेहूं , समुद्र का नमक, गाय का दूध, दही, घी, कटहल, आम, नारियल, केला यह पदार्थ सेवन करने चाहिए।

चातुर्मास के दौरान क्यों कमजोर पड़ जाते हैं सूर्य?

चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं।

हिन्दू धर्म में चातुर्मास का बहुत महत्व माना जाता है। चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं। वहीं, ज्योतिष दृष्टि से देखा जाए तो चातुर्मास के दैरान सूर्य भी कमजोर पड़ जाते हैं। ऐसे में सूर्य की दिशा और दशा का सभी राशियों पर गहरा असर देखने को मिलता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि आखिर क्यों चातुर्मास में सूर्य कमजोर हो जाते हैं और कुंडली में इन्हें मजबूत कैसे बनाए रख सकते हैं।

चातुर्मास में सूर्य क्यों होते हैं कमजोर?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास के लिए गए थे तब सूर्य देव सभी के साथ चले गए थे, जिसके कारण सृष्टि में अंधकार छा गया था। तब भगवान विष्णु ने सूर्य को पुनः अपने स्थान पर लौटने के लिए कहा। सूर्य देव लौट तो आए लेकिन अन्य देवताओं की ऊर्जा का साथ न मिल पाने के कारण उनका तेज कम हो गया था। इसी कारण से चातुर्मास के दौरान सूर्य कमजोर पड़ जाते हैं। सूर्य की दिशा और दशा नीच हो जाती है और उनकी चाल में भी धीमापन आ जाता है। ऐसे में सूर्य को मजबूत करने के उपाय करने चाहिए।

सूर्य को मजबूत करने के उपाय

चातुर्मास के दौरान सूर्य की कृपा अपने ऊपर बनाए रखने के लिए रोजाना सूर्य को अर्घ्य दें। आप चाहें तो सूर्य को अर्घ्य देने वाले जल में काले तिल मिला सकते है। इससे न सिर्फ सूर्य मजबूत होंगे बल्कि पितृ भी प्रसन्न होंगे। चातुर्मास के दौरान सूर्य को मजबूत करने के लिए पीली चीजों का दान करना चाहिए। इसके अलावा, खुद भी कोशिश करें कि अधिकतर पीले, लाल या नारंगी रंग के ही वस्त्र धारण करें। इससे सूर्य कृपा बनी रहेगी।

देवशयनी एकादशी कब है? सही तिथि, पारण और महत्व

देवशयनी एकादशी 6 जुलाई 2025 को मनाई जाएगी। यह दिन भगवान विष्णु की योगनिद्रा और चातुर्मास की शुरुआत का प्रतीक है। वैष्णव भक्त व्रत, पूजा और विष्णु सहस्रनाम का जाप करते हैं। इस दिन से सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है और आध्यात्मिक साधना का समय शुरू होता है।

हिंदू धर्म में आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाने वाली देवशयनी एकादशी अत्यंत पावन मानी जाती है। इस वर्ष यह एकादशी 6 जुलाई 2025 रविवार को मनाई जाएगी। इसे पद्मा एकादशी, हरिशयनी एकादशी और आषाढ़ी एकादशी के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। वह चार माह बाद देवउठनी एकादशी को जागते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का भी शुभारंभ होता है, जिसमें सभी शुभ कार्यों और वैवाहिक कार्यक्रमों पर रोक लग जाती है।

क्यों विशेष है देवशयनी एकादशी?

देवशयनी एकादशी विशेष रूप से भगवान विष्णु के भक्तों और वैष्णव परंपरा से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह पर्व जगन्नाथ रथ यात्रा के बाद आता है और इसे आध्यात्मिक आत्मशुद्धि का समय माना जाता है। चार महीने तक चलने वाला चातुर्मास, साधना, भक्ति और व्रत का काल होता है। इस दिन व्रत रखने वाले श्रद्धालु विष्णु सहस्रनाम का जाप करते हैं। भगवान विष्णु की पूजा करके उनसे जीवन के कल्याण की कामना करते हैं।

शुभ मुहूर्त और पूजन विधि

देवशयनी एकादशी की तिथि 5 जुलाई शाम 6.58 बजे से शुरू होकर 6 जुलाई रात 9.14 बजे तक रहेगी। व्रत का पारण 7 जुलाई को सुबह 5.29 से 8.16 तक किया जा सकता है।

पूजा में भगवान विष्णु को पीली वस्तुएं, विशेषकर पीला वस्त्र, अर्पित करें। फिर 'विष्णु सहस्रनाम' का जाप और आरती करें। यह व्रत सामूहिक पापों से मुक्ति और मानसिक शुद्धता देने वाला माना जाता है।

देवशयनी एकादशी की पूजन विधि

इस दिन रात को विशेष विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीली वस्तुएं, विशेषकर पीला कपड़ा अर्पित करें। उसके बाद मंत्रों का जाप करें। आरती सुप्ते त्वयि जगन्नाथ जगत्सुप्तं भवेदिदम, विबुद्दे त्वयि बुद्धं च जगत्सर्व चराचम् करें।

क्या सच में भगवान सो जाते हैं?

यह 'नींद' प्रतीकात्मक है। देवशयन काल में प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा मंद हो जाती है, जिससे कार्य की गति धीमी पड़ती है। इसी वजह से यह काल आत्मविचार, साधना और संयम के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

देवशयनी एकादशी पर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय, मां लक्ष्मी की होती है विशेष कृपा

देवशयनी एकादशी, जो कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ती है, भगवान विष्णु के शयनकाल का प्रारंभ दिवस माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और चार महीने के बाद कार्तिक मास की प्रबोधिनी एकादशी को जागते हैं।

इस साल 6 जुलाई, रविवार के दिन देवशयनी एकादशी पड़ रही है। यह पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इस दिन भगवान विष्णु और माता तुलसी की पूजा की जाती है। देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी की पूजा करना विशेष रूप से शुभ होता है। मान्यता है कि इस दिन तुलसी से जुड़े कुछ उपाय करने से धन-वृद्धि, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली प्राप्त होती है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि देवशयनी एकादशी पर माता लक्ष्मी को खुश करने के लिए क्या उपाय करना चाहिए।

दीपक जलाएं

देवशयनी एकादशी के दिन माता तुलसी की पूजा करते समय दीपक जरूर जलाएं, साथ ही भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

11 बार परिक्रमा करें

हिंदू धर्म में पूजा करते समय परिक्रमा का बहुत महत्व होता है। ऐसे में तुलसी माता के पूजा के दौरान देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी माता का कम से कम 11 बार परिक्रमा जरूर करें। परिक्रमा करते समय ऊँ नमो नारायणाय या लक्ष्मी नारायणाय नमः मंत्र का जाप करें।

पूजा में तुलसी का पत्ता जरूर डालें

देवशयनी एकादशी के दिन विधि विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें, और भोग में तुलसी का पत्ता डालना न भूलें। मान्यताओं के अनुसार इससे हर मनोकामना पूरी होती है।

माता तुलसी को लाल चुनर चढ़ाएं

मान्यताओं के अनुसार हिंदू धर्म में देवी माता का पूजा करते समय लाल चुनर चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसलिए पूजा करते समय माता तुलसी को लाल चुनरी जरूर बांधें। इससे वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानी दूर होंगी और रिश्तों में मिठास आएगी।

निर्यात के साथ अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता में होगा इजाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में पूरे हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से न केवल भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा बल्कि उच्च धन प्रेषण और घरेलू खर्च के जरिये भारत की अर्थव्यवस्था को भी समर्थन मिलेगा। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों में भारतीय श्रमिकों की गतिशीलता में भी बढ़ोतरी होगी।

2024 में विदेश में काम करने वाले भारतीय कामगारों ने लगभग 130 अरब डॉलर की रकम भारत में भेजी थी। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत है। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद ब्रिटेन इन रकम का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। नए सौदे के तहत ब्रिटेन में तैनात भारतीय कामगारों को तीन साल तक के लिए राष्ट्रीय बीमा योगदान पर छूट का लाभ मिलेगा, जिससे वे अधिक बचत कर सकेंगे और संभावित रूप से अधिक पैसा घर वापस भेज सकेंगे।

एफटीए में 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को दोगुना करने का वादा किया गया है। यह 2024 में 56.7 अरब डॉलर के व्यापार से अधिक है। अमेरिकी बाजार में चुनौतियों

का सामना करने वाले भारतीय परिधान को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच से लाभ होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के लिए यह समझौता भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग तक अधिक पहुंच प्रदान करता है। हालांकि, पेय क्षेत्र में तत्काल व्यापार लाभ दिखाई देगा, जहां व्हिस्की और जिन के 97 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ आधा रह जाएगा।

ब्रिटेन के लिए आर्थिक लाभ सीमित

चूंकि इस सौदे में दवा निर्यात शामिल नहीं है, जिससे ब्रिटेन के लिए कुछ आर्थिक लाभ सीमित हो गए हैं। इस बात पर भी स्पष्टता की कमी है कि नई कोटा प्रणाली के तहत भारत को ब्रिटेन की कार निर्यात कैसे संचालित होगी। यह समझौता प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ व्यापार समझौते को सुरक्षित करने के लिए भारत के बड़े प्रयास का हिस्सा है।

भारत का वैश्विक व्यापार नेटवर्क होगा मजबूत

इन प्रयासों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों में बदलाव के बीच भारत के वैश्विक व्यापार नेटवर्क को मजबूत करना है। भारत-ब्रिटेन समझौते पर तेजी से हस्ताक्षर होना ब्रिटेन के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे देश को ब्रेक्सिट के बाद अपने व्यापार संबंधों को नया आकार देने और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को कम करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर, व्यापार समझौते से भारत और यूके के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को भी बढ़ाने की उम्मीद है।

सोना-चांदी के गिरे भाव, 22 कैरेट गोल्ड 88982 पर, सिल्वर 1.10 लाख के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के तेवर आज नरम हैं। आज सोने का भाव 195 रुपये और चांदी का 253 रुपये टूटा है। आज 4 जुलाई शुक्रवार को 24 कैरेट सोना 97142 रुपये पर खुला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100056 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 110,588 रुपये किलो बिक रही है।

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 194 रुपये सस्ता होकर 96753 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 99655 रुपये हो गई है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 179 रुपये टूट कर 88982 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जीएसटी के साथ यह 91651 रुपये का 10 ग्राम बैठेगा।

18 कैरेट गोल्ड का भाव- 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 146 रुपये सस्ता होकर 72857 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 3 पर्सेंट जीएसटी के साथ 75042 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 114 रुपये टूटकर 56828 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है।

इंडिगो के बोर्ड में शामिल हुए अमिताभ कांत, गैर-कार्यकारी निदेशक की संभालेंगे जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बृहस्पतिवार को नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत को अपने बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति नियामकीय और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और इनक्रेडिबल इंडिया जैसे कई प्रमुख राष्ट्रीय अभियानों के प्रमुख रणनीतिकार रहे कांत ने पिछले महीने भारत के जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया था।

इंडिगो के निदेशक मंडल के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा, इंडिगो को अमिताभ कांत का बोर्ड सदस्य के रूप में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनके पास राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रशासनिक कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है। उनके नेतृत्व गुणों से इंडिगो को बहुत लाभ होगा। मेहता ने कहा कि इंडिगो की टीम 2030 तक वैश्विक कंपनी बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने व्यापक अनुभव और ज्ञान का लाभ उठा सकती है।

अपनी नियुक्त पर कांत ने कहा, मुझे इंडिगो के बोर्ड में शामिल होने पर खुशी है। अपने पैमाने, दक्षता और अंतरराष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के साथ इंडिगो भारत के लिए नए बाजार खोलेगा। हमारे हवाईअड्डों को कनेक्टिविटी और वाणिज्य के वैश्विक केंद्रों में बदल देगा। पर्यटन, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के साथ सीमा पार लोगों, बाजारों और अवसरों को जोड़ेगा।

नीति आयोग में अपने कार्यकाल के दौरान, कांत ने कई प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। इनमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बोर्ड में निदेशक और भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के सदस्य की भूमिका शामिल हैं।

आंकड़े: इस साल अब तक 25 कंपनियों के आईपीओ लिस्ट, संभव और क्वाड्रांट ने निवेशकों को किया मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार के अप्रैल के बाद से रफ्तार पकड़ने से आईपीओ बाजार भी तेजी में है। इस साल कुल 25 कंपनियां आईपीओ लाई हैं और उनमें से 19 कंपनियों ने निवेशकों को रिटर्न दिया है। इनमें से क्वाड्रांट और संभव स्टील फायदा देने में शीर्ष पर हैं। हालांकि, 6 कंपनियों के शेयरों में निवेशकों को घाटा भी हुआ है।

एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जिन आईपीओ के शेयरों ने सबसे अधिक फायदा दिया है, उनमें क्वाड्रांट फ्यूचर 53 फीसदी के साथ शीर्ष पर है। इसका इश्यू का भाव 290 रुपये था और 444 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था। संभव स्टील का भी शेयर 34 फीसदी ऊपर लिस्ट हुआ। 82 रुपये के भाव वाला इश्यू 110 रुपये पर लिस्ट हुआ था।

इनके अलावा, जिन कंपनियों ने अच्छा फायदा दिया, उनमें लक्ष्मी डेंटल के शेयर ने करीब 29 फीसदी का रिटर्न दिया। इंडोफार्म का 215 रुपये का शेयर 277 रुपये पर लिस्ट हुआ था, यानी 29 फीसदी का फायदा मिला था।

आईपीओ: भारत दूसरे नंबर पर

आईपीओ बाजार में भारत इस समय दूसरे नंबर पर है। इस साल भारत ने 5.86 अरब डॉलर जुटाए हैं, जो वैश्विक आईपीओ बाजार का 12 फीसदी हिस्सा है। इस साल बड़े आईपीओ में एलजी का 15,000 करोड़ है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट भी अगस्त तक बाजार में उतरने की तैयारी में है। इस साल 143 आईपीओ 26 अरब डॉलर जुटाने वाले हैं।

क्रेडिला, एनएसडीएल व एनएसई पर सबकी नजर

इस साल कई बड़े आईपीओ आने वाले हैं। इसमें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई का इश्यू 50,000 करोड़ रुपये से ऊपर हो सकता है। इसका मूल्यांकन 6 लाख करोड़ रुपये आंका गया है।

अब बिना शुल्क समय पूर्व चुका सकते हैं फ्लोटिंग दर वाले कर्ज, गैर-कारोबारी लोन पर 2026 से लागू होगा नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। अब प्रीपेमेंट के नाम पर भारी जुर्माना भरने से राहत मिलने वाली है। आरबीआई ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे छोटे उद्यमों एवं व्यक्तिगत लोगों को दिए कर्ज पर समय से पूर्व भुगतान करने पर कोई शुल्क नहीं लगाएंगे। यह नियम एक जनवरी, 2026 के बाद लिए या नवीनीकरण कराए गए कर्जों पर लागू होगा। आरबीआई ने बुधवार को सर्कुलर में कहा, समीक्षाओं में पता चला है कि एमएसई को कर्ज का पहले भुगतान करने पर ज्यादा शुल्क देना होता है। इससे कर्जदाता संस्थान और ग्राहकों में विवाद पैदा होता है। कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने लोन एग्रीमेंट में ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे उधार लेने वाला कम ब्याज या बेहतर शर्तों का लाभ उठाने के लिए अन्य संस्थान के पास नहीं जा सके।

इन संस्थानों पर लागू होगा नया नियम- आरबीआई ने स्पष्ट किया है

कि गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए व्यक्तियों के फ्लोटिंग दर पर लिएएगए कर्ज पर कोई प्री पेमेंट शुल्क नहीं लगेगा। नया नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों (पेमेंट्स बैंकों को छोड़कर), सहकारी बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होगा।

सभी शुल्कों का पहले खुलासा जरूरी- आरबीआई ने कहा, इन नियमों के अंतर्गत न आने वाले मामलों में कोई पूर्व-भुगतान शुल्क है तो उसे कर्ज स्वीकृति पत्र और उसके समझौते में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। कोई भी अघोषित या पूर्व शुल्क की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि ऋणदाता खुद पूर्व भुगतान शुरू करता है तो कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

रिलायंस के शेयर में जोरदार उछाल, एक्सपर्ट्स बोले- 1,800 तक पहुंचेगा भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज यानी शुक्रवार 4 जुलाई 2025 को 1,531.90 के 9-महीने के हाई लेवल पर पहुंच गया, जो अप्रैल 2025 के निचले स्तर 1,114 से 37.5 प्रतिशत अधिक है। शेयर अब अपने ऑल-टाइम हाई (जून 2024 में 1,608) से महज 4.7 प्रतिशत दूर है। कंपनी ने 2025 की पहली छमाही में 23.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जो 2017 के बाद से उसका सर्वश्रेष्ठ अर्धवार्षिक प्रदर्शन है। शेयर वर्तमान में ओवरबॉट जोन में है, जहां 1,550-1,570 पर रेजिस्टेंट संभव है। मध्यम अवधि में रिटेल -टेलीकॉम के त्क्त्रवित्त्र26 रिजल्ट और सोलर बिजनेस की प्रगति पर नजर रखनी होगी।

छोटा शेयर बड़ा कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। जुलाई 2022 में 3 से 4 के स्तर पर ट्रेड करने वाला एक शेयर पिछले 5 साल में 33,000 प्रतिशत रिटर्न दे चुका है। यह प्रदर्शन इसे मल्टीबैगर स्टॉक की कैटेगरी में खड़ा करता है। हम बात कर रहे हैं हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स की, जिसके शेयर आज के कारोबार में 40.47 के हाई पर पहुंच गया। कंपनी ने 3 जुलाई को व्योम हाइड्रोकॉर्बन प्राइवेट लिमिटेड में 51 प्रतिशत इक्विटी मात्र 1.02 लाख में खरीदी। अगस्त 2023 में ऑयल एंड गैस ड्रिलिंग सर्विसेज के लिए हुआ था।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि 10 माह के उच्च स्तर पर, नए कारोबार और निर्यात ऑर्डर में उछाल का असर

नईदिल्ली, एजेंसी। मांग और बिक्री में जारी सुधार के बीच नए कारोबारी ऑर्डर में तेज उछाल के दम पर देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून, 2025 में बढ़कर 10 महीने के उच्च स्तर 60.4 पर पहुंच गई। रोजगार सृजन में भी मजबूत विस्तार देखने को मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस गतिविधि सूचकांक मई में 58.8 रहा था।

एचएसबीसी इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए घरेलू ऑर्डर में अगस्त, 2024 के बाद सबसे तेज उछाल और नए निर्यात कारोबार में उल्लेखनीय तेजी से सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एशियाई, पश्चिम एशियाई एवं अमेरिकी बाजारों से आने वाली मांग में सुधार और घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से भी सेवा क्षेत्र की कंपनियों को लाभ हुआ।

लगातार 37वें महीने बढ़ा रोजगार, मार्जिन में सुधार- भंडारी ने कहा, सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्तियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार बढ़ा है। मई की रिकॉर्ड भर्तियों से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई। लागत का दबाव उपभोक्ता सेवा श्रेणी में सर्वाधिक रहा। आउटपुट शुल्क में तेज वृद्धि वित्तीय और बीमा क्षेत्र में रही। आउटपुट शुल्क के मुकाबले कच्चे माल की लागत में कम वृद्धि से सेवा प्रदाताओं के मार्जिन में सुधार हुआ।

लेंसकार्ट के आईपीओ से पहले 15 करोड़ डॉलर के शेयर बाय बैक करेंगे फाउंडर पियूष बंसल

नईदिल्ली, एजेंसी। लेंसकार्ट के फाउंडर और सीईओ पियूष बंसल, कंपनी के आने वाले आईपीओ से पहले, मौजूदा निवेशकों से कंपनी की 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में हैं। यह डील करीब 15 करोड़ डॉलर की हो सकती है। इन्वेस्टमेंट बैंक अवेंडस कैपिटल उनकी मदद कर रहा है।

क्यों खरीद रहे हैं शेयर- जानकारों के मुताबिक, पिछले फंडिंग राउंड्स में पियूष बंसल की हिस्सेदारी (इक्विटी) कुछ कम हो गई थी। वो इस डील के जरिए उस कमी को पूरा करना चाहते हैं। यानी, आईपीओ से पहले कंपनी में उनकी ओनरशिप बढ़ जाएगी।

किस भाव पर होगी खरीद- लाइव मिंट की खबर के मुताबिक यह डील कंपनी के लगभग 7 से 8 अरब डॉलर के वैल्यूएशन (कंपनी का अनुमानित मूल्य) पर होने की बात चल रही है। यह उस वैल्यूएशन से कम है, जो आईपीओ के समय (8-10 अरब डॉलर) होने की उम्मीद है।

कौन निवेशक बेच सकते हैं शेयर- माना जा रहा है कि टीआर कैपिटल, केदारा कैपिटल जैसे निवेशक अपने कुछ शेयर पियूष बंसल को बेच सकते हैं। बातचीत चल रही है और

डील के अगले 4-6 हफ्तों में पूरी होने की उम्मीद है।

आईपीओ की तैयारी तेज- इस डील के बाद लेंसकार्ट जल्द ही शेयर बाजार नियामक सेबी के पास अपने आईपीओ के डॉक्युमेंट्स जमा करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, सिटी, मॉर्गन स्टैनली और अवेंडस कैपिटल जैसे बड़े निवेश बैंकों को भी नियुक्त कर लिया है।

कितनी है फाउंडर की हिस्सेदारी- ट्रैक्सन डेटा के अनुसार, पियूष बंसल के पास फिलहाल लेंसकार्ट में 8.21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने अब तक कुल 1.08 अरब डॉलर (19 राउंड में) फंडिंग जुटाई है।

कंपनी की वित्तीय सेहत- त्क्त्र24 में कंपनी का नुकसान पिछले साल (64 करोड़ रुपये) के मुकाबले 84 प्रतिशत घटकर सिर्फ 10 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की ऑपरेटिंग आमदनी (रेवेन्यू) 43 प्रतिशत बढ़कर 5,427 करोड़ रुपये हो गई। खर्च भी बढ़कर 5,549 करोड़ रुपये हो गए।

2500 से अधिक स्टोर- लेंसकार्ट की स्थापना 2010 में पियूष बंसल, अमित चौधरी, नेहा बंसल और सुमीत कपाही ने मिलकर की। चश्मा (पावर, सनग्लासेज) और कॉन्टैक्ट लेंस बेचती है।

पैकिंग बता देगी दवा सस्ती है या महंगे ब्रांड वाली, नियमों में बदलाव की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के औषधि महानियंत्रक दवाओं की पैकेजिंग और लेबलिंग से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। इसके तहत अब दवा की पैकेट पर लिखी एक्सपायरी डेट और अन्य जानकारियों को पढ़ना आसान हो जाएगा। इसका मकसद मरीजों को दवाओं के बारे में साफ-सुथरी और सही जानकारी देना है ताकि वे सही दवा चुन सकें। नए नियमों के बाद जेनरिक और ब्रांडेड दवाओं में अंतर करना आसान हो जाएगा।

मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीसीजीआई की एक टीम इन बदलावों पर काम कर रही है और जल्द ही इसे लागू करने की तैयारी है। अधिकारियों के मुताबिक, नियामक उपभोक्ताओं की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि दवाओं के पैकेट पर जानकारी बहुत छोटे अक्षरों में होती है, चमकदार लेबल से पढ़ना मुश्किल होता है, और जेनरिक व ब्रांडेड दवाओं में फर्क करना लगभग नामुमकिन है। इन सब बातों को देखते हुए यह पहल शुरू की गई है।

समिति जल्द सौंपेगी रिपोर्ट

नियामक ने प्रस्तावित नियमों की समीक्षा के लिए एक उप-समिति बनाई है, जो जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। यह समिति दवाओं और सौंदर्य प्रसाधन नियम, 1945 में इन बदलावों को शामिल करने के तरीके भी देख रही है। यह नियम देश में निर्मित, आयातित और बेची जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता को नियंत्रित करता है।

अभी दवा में अंतर करना मुश्किल

वर्तमान में, अक्सर मरीज ब्रांड का नाम मांगते हैं या मेडिकल स्टोर वाले खुद महंगी दवा दे देते हैं, जबकि सस्ती जेनरिक दवा भी उपलब्ध होती है। पैकिंग में फर्क न दिखने से मरीज जानकारी के अभाव में महंगी दवा खरीद लेते हैं। खास निशान का प्रस्ताव इसी भ्रम को दूर करने के लिए लाया गया है।

दवा बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी

विशेषज्ञों का मानना है कि इन बदलावों से दवा बाजार में पारदर्शिता आएगी, मरीजों का भरोसा बढ़ेगा और वे अपनी जरूरत के हिसाब से सही दवा चुन सकेंगे। आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय दवा बाजार ने मई 2025 में 19,720 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के मुकाबले 7.2 प्रतिशत ज्यादा है। इससे साफ है कि दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और ऐसे में मरीजों को सही जानकारी देना बेहद जरूरी है।

अमेरिका ने चीन को दी राहत, सॉफ्टवेयर निर्यात प्रतिबंध हटाया; व्यापार वार्ता के बाद नरम हुआ रुख

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को राहत देते हुए चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह कदम हाल ही में लंदन में हुई व्यापार वार्ता के तहत दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए उठाया गया है।

सभी तीन प्रमुख चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनियों- सिनोप्सिस, कैडेंस और सीमेंस ने बताया कि उन्हें अमेरिकी वाणिज्य विभाग से मई में लगाए गए प्रतिबंधों के हटाए जाने की सूचना दी गई है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट के अनुसार, तीनों कंपनियां चीन के इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती हैं।

प्रतिशोध का खेल - मई में जब बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को सीमित करने का फैसला लिया था ,तब अमेरिका ने प्रतिशोध में चिप डिजाइनिंग टूल्स की बिक्री पर रोक लगाई थी। इसके बाद उस महीने की शुरुआत में जिनेवा में व्यापार युद्धविराम के बाद दोनों देशों के बीच तनाव फिर से बढ़ गया था।

अमेरिकी कंपनी कैडेंस और सिनोप्सिस ने कहा है कि वे चीन में पहले प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर की पहुंच बहाल करने की प्रक्रिया में हैं।

इथेन निर्यात और अन्य कंपनियों को भी मिली अनुमति

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी इथेन उत्पादकों को भी चीन को निर्यात फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के आंकड़ों के आधार पर पिछले साल अमेरिका के इथेन निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा चीन को गया था। इस उपयोग मुख्य रूप से प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। इसके अलावा, अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने अन्य कंपनियों के साथ-साथ जीई एयरोस्पेस को भी चीन को जेट इंजन की शिपमेंट फिर से शुरू करने के लिए कहा है। शुक्रवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अब इन प्रतिबंधित वस्तुओं की निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया की समीक्षा कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका-चीन आर्थिक और व्यापार संबंधों के पारस्परिक लाभ को गंभीरता से समझेंगे और साथ मिलकर आगे बढ़ना जारी रखेंगे।

घरेलू मैदान पर अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे नीरज, खिताब के होंगे दावेदार

बंगलूरू, एजेंसी। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारत में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी) टूर्नामेंट में नीरज अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार को बंगलूरू के कांतीरावा स्टेडियम में होगा जिसमें नीरज खिताब जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। 27 वर्ष के नीरज इस खेल में लगभग सभी खिताब जीत चुके हैं जिनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक शामिल हैं।इस टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ियों में सात विदेशी एथलीट और नीरज सहित पांच भारतीय होंगे। नीरज के अलावा चार भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। जर्मनी के 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिकी कर्टिस थॉम्पसन, चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेकनी, ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और पोलैंड के साइप्रियन मिर्जिगलोड विदेशी प्रतियोगी हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक का पहला सत्र भारतीय प्रशंसकों को विश्व स्तरीय टूर्नामेंट देखने का मौका देने के मकसद से आयोजित किया गया है जिससे खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी।

शिखर धवन की आत्मकथा द वन की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन के जीवन पर उनकी आत्मकथा द वन आ रही है। उन्होंने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी। धवन ने बताया कि मेरी किताब सिर्फ क्रिकेट के मैदान की बात नहीं करती। यह मेरे जीवन के उन पड़ावों, अनदेखे पलों, और मुश्किल दिनों की कहानी है, जब मुझे चोटों और चुनौतियों से जूझना पड़ा। यह किताब बताती है कि मैं आज जहां हूं, वहां तक कैसे पहुंचा। द वन में धवन के दिल्ली में बचपन से लेकर भारतीय जर्सी पहनने के सपने और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे शानदार ओपनर बनने तक का सफर शामिल है। किताब में उनके क्रिकेट करियर के शानदार पल तो होंगे ही, लेकिन इसमें उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियां, चोटों का दर्द और क्रिकेट कमबैक की कहानियां भी होंगी।धवन क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट के जरिए अपने शानदार करियर को अलविदा कहा था। धवन ने 167 वनडे मैचों में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक थे। टी20 में उन्होंने 68 मैचों में 1,759 रन बनाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 122 मैचों में 8,499 रन हैं।

एजबेस्टन में 269 रन की पारी के बाद शुभमन गिल ने खोला राज

'मैं बचपन की तरह खेला, इंग्लैंड दौरे से पहले नहीं ले पा रहा था बैटिंग का आनंद'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान के रूप में अपने दूसरे ही टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने गुरुवार को एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर बनाकर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। 25 वर्षीय शुभमन गिल मंसूर अली खान पटौदी के बाद टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए। यही नहीं, वह देशों में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई कप्तान भी बने।शुभमन गिल ने याद किया कि पिछले दौरों के बाद उन्हें परिस्थितियों में सफलता पाने के लिए किन तकनीकी बदलावों को अपनाना पड़ा। भारत के नए-नए नंबर 4 खिलाड़ी ने यह भी स्वीकार किया कि दौरे से पहले लाल गेंद वाले क्रिकेट में अपने औसत प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बल्लेबाजी का आनंद खो दिया था। शुभमन गिल ने पिछले हफ्ते हेडिंग्ले में कप्तान के तौर पर अपनी पहली पारी में 147 रन बनाए और कप्तान के तौर पर अपने पहले दोनों टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए।शुभमन गिल ने कहा, 'मैंने मुख्य रूप से अपने शुरुआती मूवमेंट और अपने सेटअप पर काम किया। इससे पहले, मुझे लगा कि मेरी बल्लेबाजी अच्छी चल रही है। मैं टेस्ट मैच में लगातार 30-35-40 रन बना रहा था। लेकिन एक समय ऐसा आया जब मैं एकाग्रता के चरम समय से चूक गया। बहुत से लोग कहते हैं कि जब बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, तो कभी-कभी अपना चरम समय खो देते हैं।' शुभमन गिल ने बताया, 'इसलिए, इस सीरीज में मैंने अपनी मूल बातों पर लौटने की कोशिश की। मैंने बचपन की तरह बल्लेबाजी करने की कोशिश की। मैंने 35-40 रन तक पहुंचने या लंबी पारी खेलने के बारे में नहीं सोचा। मैं बस अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना चाहता था।'

'मैं नहीं ले पा रहा था अपनी बल्लेबाजी का आनंद'

उन्होंने कहा, 'कभी-कभी, जब आप धाराप्रवाह रन नहीं बना पाते हैं, तो आप अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना बंद कर देते हैं। आप रन बनाने की जरूरत पर बहुत ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं। मुझे लगा कि मैंने अपनी बल्लेबाजी में वह खो दिया है। मैं इतना केंद्रित था कि मैं अपनी बल्लेबाजी का उतना आनंद नहीं ले पा रहा था।'शुभमन गिल का दोहरा शतक 2016 में विराट कोहली के बाद किसी भारतीय द्वारा विदेशी धरती पर बनाया गया पहला दोहरा शतक है। पंजाब के इस बल्लेबाज ने इसके साथ ही किसी भारतीय टेस्ट कप्तान द्वारा बनाए गए सर्वोच्च स्कोर के पूर्व के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। अपनी पारी के दौरान गिल पूरे समय शानदार नियंत्रण में दिखे। हालांकि, उन्होंने कहा कि बर्मिंघम की सपाट पिच पर आसानी से रन बनाना मुश्किल था।

'आसानी से नहीं बन रहे थे रन'

गिल ने कहा, 'जब मैं पहले दिन लंच से पहले बल्लेबाजी करने गया, तो चाय के समय मैं लगभग 100 गेंद पर 35-40 रन बनाकर खेल रहा था। मैं बाहर आया और जीजी (गौतम गंभीर) भाई से बात की। मैंने उनसे कहा, 'मैं खुलकर रन नहीं बना पा रहा हूं, भले ही मेरे पास बहुत सारे शॉट हैं। मुझे यह भी लगा कि गेंद थोड़ी सॉफ्ट थी।'शुभमन गिल ने कहा, 'पिछले मैच में मैं ज्यादा तेजी से रन बना रहा था, लेकिन यहां यह आसानी से नहीं हो रहा था। फिर भी, मेरी मानसिकता यह थी कि अगर विकेट अच्छा है और मैं सेट हूं तो चाहे कितनी भी देर तक बल्लेबाज़ी करूं, मुझे मैच बीच में नहीं छोड़ना चाहिए।'

'लंबे समय तक टिके रहने की मानसकिता से खेला'

उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैंने सीखा कि आप चाहे कितनी भी देर तक बल्लेबाजी क्यों न कर लें, इन परिस्थितियों में निचले क्रम में कभी भी गिरावट आ सकती है। इसलिए मैंने यथासंभव लंबे समय तक टिके रहने की कोशिश की। मैं चाहता था कि गेंदबाज मुझे अच्छी गेंद से आउट करे और मैं कोई गलती न करूं। यही मेरा तरीका था।'

'बल्लेबाज का आउट क्राइम है, अब युवी को भी होने लगी है तकलीफ'

● गिल के पहले दोहरे टेस्ट शतक पर बोले योगराज सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल ने गुरुवार 3 जुलाई 2025 को बर्मिंघम के एजबेस्टन में भारत बनाम इंग्लैंड दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन 269 रन की अपनी ऐतिहासिक पारी खेली और सारे सवाल, सारी शंकाएं, सारी चिंताएं और सारी आशंकाओं पर विराम लगा दिया। बल्लेबाजी के लिए अपेक्षाकृत आसान पिच होने के बावजूद शुभमन गिल ने एकाग्रता न खोने और सबसे महत्वपूर्ण बात सुनहरे अवसर को भुनाने का मास्टरक्लास उदाहरण पेश किया।

तिहरे शतक से चूक गए शुभमन गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल 300 के जादुई आंकड़े के लिए तैयार दिख रहे थे। आकाश दीप ने उनका अच्छा साथ दिया। भारत चाय तक 564/7 के शानदार स्कोर पर पहुंच गया। शुभमन गिल की निगाहें 300 रन बनाने पर टिकी थीं, लेकिन वह इससे 31 रन पीछे रह गए। कप्तान की एकाग्रता में शायद एकमात्र कमी तब आई जब हैरी ब्रूक ने कुछ माइंड गेम खेला। उन्होंने 290 रन बनाने के बारे में कुछ कहा, जिस पर गिल ने पहले तो व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ जवाब दिया, लेकिन अगले ओवर में वह पवेलियन लौट गए।

योगराज सिंह को हुई निराशा

शुभमन गिल के शानदार प्रदर्शन की क्रिकेट जगत ने तारीफ की, लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह को निराशा हुई, क्योंकि गिल तिहरे शतक से चूक गए। नॉटआउट रहने के महत्व पर जोर देते हुए योगराज ने कहा कि अच्छी स्थिति में होने के बावजूद विकेट खोना 'अपराध' है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज के आउट होने पर उन्हें तकलीफ होती है और ऐसी ही तकलीफ अब युवी को भी होने लगी है।

टेस्ट क्रिकेट में आउट होना अपराध है : योगराज सिंह

योगराज सिंह ने कहा, 'मुझे खुशी है कि युवराज ने अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है, वह कोचिंग देकर उसे खिलाड़ियों को वापस दे रहा है। गिल, अभिषेक और अर्शदीप उसके ट्रेनी रहे हैं। जब शुभमन गिल 200 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तो मैं चाहता था कि वह 250 रन पर नाबाद रहें। जब बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो मुझे तकलीफ होती है और यही तकलीफ अब युवी को भी होने लगी है। वह यह समझने लगा है कि टेस्ट क्रिकेट में आउट होना एक क्राइम (अपराध) है।'

चेस

विश्व चैंपियन गुकेश ने दी नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को मात, छठे दौर में हराया; लगातार दूसरी जीत दर्ज की

जागरेब, एजेंसी। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। विश्व शतरंज चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर रैपिड 2025 के जागरेब चरण में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को काले मोहरों के साथ छठे राउंड में हरा दिया। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। यह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नार्वे शतरंज में हराया था। गुकेश को पहले मुकाबले में पोलैंड के डूडा ने 59 चालों में मात दी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और हमवतन प्रज्ञानंद को मात दी।

कनाडा ओपन

कनाडा ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे किदांबी श्रीकांत, चीनी ताइपे के खिलाड़ी को हराया

कालगैरी, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी।भारत के किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने पुरुष एकल वर्ग में तीनी ताइपे के वांग पो वेई को सीधे गेम में हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी। इस साल मई में मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले दुनिया के 49वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोउ टिएन चेन से हो सकता है। शुरुआती गेम में श्रीकांत ज्यादातर समय पीछे चल रहे थे और उन्होंने 5-11 के स्कोर से वापसी करते हुए स्कोर 18-18 किया। इसके बाद उन्होंने अगले चार प्वाइंट हासिल किए।

जोकोविच तीसरे दौर में पहुंचे, फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को विंबलडन में ब्रिटेन के डेनियल इवांस को 6-3, 6-2, 6-0 से हराकर पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। आठवें विंबलडन खिताब की तलाश में लगे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को ऑल-इंग्लैंड क्लब में अपनी 99वीं जीत हासिल करने में एक घंटे और 47 मिनट लगे। जोकोविच को 2021 मोंटे कार्लो मास्टर्स में ब्रिटिश खिलाड़ी इवांस ने आश्चर्यजनक रूप से सीधे सेटों में हरा दिया था। उसके बाद दोनों पहली बार आमने-सामने थे। लेकिन, यहां जोकोविच उन्हें कोई मौका नहीं दिया। 38 साल के जोकोविच ने तीन सेटों में केवल नौ अंक गंवाए और इवांस को आसानी से हरा दिया। मैच का मुख्य आकर्षण जोकोविच के 46 विनर रहे। जोकोविच ने खेल पर नियंत्रण रखा और घरेलू खिलाड़ी को लगातार दबाव में रखा। जीत के बाद जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई जानता था कि आज कोर्ट पर एक खास माहौल होने वाला है। ब्रिटेन में एक ब्रिटिश खिलाड़ी का सामना करना कभी भी आसान नहीं होता। वह एक अच्छे क्वालिटी के खिलाड़ी हैं। उनके पास बहुत प्रतिभा है। जोकोविच की जीत ने उन्हें ओपन एरा में विंबलडन में सबसे अधिक पुरुष एकल तीसरे दौर में उपस्थिति (19) के मामले में रोजर फेडरर से आगे निकलने में भी मदद की।रिकॉर्ड पर जोकोविच ने कहा, इसका मतलब है कि मैं काफी लंबे समय से खेल रहा हूँ। उन्नीस बार, यह एक बढ़िया आंकड़ा है।

विराट और रोहित को नीली जर्सी में देखने के लिए करना पड़ेगा और इंतजार!

रद्द हो सकता बांग्लादेश का दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान पर देखने के लिए क्रिकेट फैंस बेकरार हैं. ये दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे. क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में ये दोनों खिलाड़ी नीली जर्सी में दिखाई देंगे, लेकिन अब बांग्लादेश का दौरा खटाई में पड़ता हुआ दिख रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है. पड़ोसी देश में हालात अच्छे नहीं है. शायद इसी वजह से केंद्र सरकार इस दौरे की इजाजत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नहीं दे रही है, क्योंकि वहां पर खिलाड़ियों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है.

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बांग्लादेश के दौरे पर जाने वाली थी, लेकिन अब इस दौरे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में इन दिनों हालात अच्छे नहीं हैं. सत्ता परिवर्तन के बाद वहां पर माहौल काफी बिगड़ गए हैं. माना जा रहा है कि केंद्र सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए भारतीय टीम को बांग्लादेश दौरे पर जाने की इजाजत नहीं देगी. इस बारे में जल्दी ही ऑफिशियल घोषणा हो सकती है.इसके अलावा बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड आगामी सीरीज को लेकर जल्दी ही बड़ा फैसला ले सकते हैं. संभावना जताई जा रही है कि ये दौरा रद्द हो सकता है, लेकिन दोनों बोर्ड दौरा रद्द करने के बजाय इसे कुछ दिनों के लिए टालने पर सहमत हो सकते हैं. बीसीबी ने इस सीरीज के लिए मीडिया राइट्स की बिटिंग भी टाल दी है.

एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी पर बिफरे आदित्य ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के विरुद्ध नहीं हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी देने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। आदित्य ठाकरे ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। ऐसी खबरें आई थी कि खेल मंत्रालय पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेगी। अब इस पर आदित्य ठाकरे ने सवाल खड़े किए हैं और सरकार की आलोचना की है। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रहे तनाव के मद्देनजर इस पर संशय चल रहा था कि पाकिस्तान की हॉकी टीम इस टूर्नामेंट के लिए भारत आएगी या नहीं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 05 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

मुग्धा गोडसे ने राहुल देव संग शेयर की रोमांटिक तस्वीर

एक्टर राहुल देव और एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे ने गुरुवार को अपनी 12 साल की यात्रा का खास अंदाज में जश्न मनाया। इस मौके पर दोनों ने सोशल मीडिया पर प्यारी और रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे एक-दूजे की आंखों में खोए नजर आए। मुग्धा गोडसे ने इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों एक बेंच पर बैठे हुए एक-दूसरे की आंखों में खोए नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 12 साल (कौन गिन रहा है) राहुल देव। राहुल देव और मुग्धा गोडसे साल 2013 से लिव-इन रिलेशनशिप में हैं, दोनों ने आधिकारिक तौर पर शादी नहीं की है। राहुल की पत्नी रीना देव के निधन के बाद उन्होंने मुग्धा के साथ नया जीवन शुरू किया था।

दोनों कई बार पब्लिक के बीच यह बात खुलकर कह चुके हैं कि उनकी शादी कि फिलहाल कोई योजना नहीं है। उनका मानना है कि वे पहले से ही एक-दूसरे के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। राहुल और मुग्धा अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। राहुल देव मॉडल के साथ ही दमदार एक्टर भी हैं। वह फिल्मों के साथ ही टीवी शोज में काम कर चुके है। वह हिंदी के साथ ही तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और पंजाबी समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुके हैं।

उर्फी जावेद को हुई एलर्जी

● सबा अली खान पटौदी ने जताई चिंता

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने ब्लू नेट ड्रेस में अपनी कई बेहतरीन तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी एलर्जी के बारे में खुलकर बताया।

अपने अतरंगी फैशन के लिए मशहूर उर्फी जावेद ने आज अपना एक लेटेस्ट स्टनिंग और स्टाइलिश लुक शेयर किया। इस नए लुक में उर्फी ब्लू नेट ड्रेस में पोज बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इसी शानदार लुक के साथ उर्फी ने अपनी एलर्जी के बारे में भी खुलकर बताया है।

उर्फी का पोस्ट

उर्फी जावेद ने अपनी इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कस्टम पीस को पहनने का फैसला किया, लेकिन मेरी एलर्जी के कारण अंतिम क्षण में रद्द करना पड़ा। धन्यवाद (डिजाइनर) इस खूबसूरत कृति को बनाने के लिए, धन्यवाद, मुझे 40 सबसे प्रभावशाली भारतीयों की सूची में शामिल करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। कस्टम आउटफिट।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण

संघर्ष शब्द से शुभांगी को दिक्कत

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है। उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं।

आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तिवकता बनी रहे। शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन को झटका, हाईकोर्ट ने खारिज की FIR रद्द करने की याचिका

दिल्ली हाईकोर्ट ने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडिस जैकलीन एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट की तरफ से इस मामले में उन्हें झटका लगा है। जैकलीन के खिलाफ एफआईआर रद्द करने की याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज गुरुवार को बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने जैकलीन याचिका खारिज कर दी। दायर की गई याचिका में मामले में प्रवर्तन निदेशालय के दूसरे पूरक आरोपपत्र और दिल्ली की निचली अदालत में लंबित कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी।

ईडी के सामने पेश हुई जैकलीन

ईडी के वकील ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि विशेष अदालत ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (आरोपपत्र) का संज्ञान लिया है और प्रथम दृष्टया मामला पाया है। वकील ने कहा कि संज्ञान आदेश को चुनौती नहीं दी गई।

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है: सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की रामायण की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला। उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में वर्ल्ड ऑफ रामायणा की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है।

बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने रामायण का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में केजीएफ फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली। वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है ‒ भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य रामायण को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत हैज आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं। फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल

दुलकर सलमान ने विक्रम प्रभु को 'लव मैरिज' के लिए दी बधाई, बोले - सीजन की बेस्ट मनोरंजक फिल्म

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार दुलकर सलमान ने तमिल एक्टर विक्रम प्रभु को उनकी हालिया रिलीज तमिल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लव मैरिज में शानदार एक्टिंग के लिए बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे सीजन की बेस्ट मनोरंजक फिल्म बताया। दुलकर ने लव मैरिज को इस सीजन का सबसे मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विक्रम प्रभु की तारीफ करते हुए लिखा, मेरे भाई विक्रम प्रभु ने लव मैरिज में कमाल कर दिया! इसे जरूर देखें, यह इस सीजन का सबसे बेहतरीन मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। शानदार प्रदर्शन! फिल्म के निर्देशक शन्मुगा प्रियान ने दुलकर की इस प्रशंसा पर खुशी जताई और उनके एक्स पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, दुलकर सर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपकी तारीफ हमारे लिए बहुत मायने रखती है। हमें खुशी है कि आपको लव मैरिज पसंद आई। आपके शब्द हमारी पूरी टीम के लिए प्रेरणा हैं। 126 मिनट की यह फैमिली-ड्रामा मनोरंजन से भरपूर है, जो 27 जून को रिलीज हुई और इसे दर्शकों तथा समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। यह रोमांटिक कॉमेडी 33 साल के एक दूल्हे की कहानी है, जो शादी करने का फैसला करता है और उसका परिवार उसके लिए सही रिश्ता ढूंढता है।

पत्नी पत्रलेखा के साथ न्यूजीलैंड घूम रहे राजकुमार राव, पतझड़ के मौसम में दिए रोमांटिक पोज

अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म मालिक को लेकर चर्चा में हैं। इन दिनों वह अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ न्यूजीलैंड में छुट्टियां मना रहे हैं। खूबसूरत वादियों, झीलों और पहाड़ों के बीच असली प्राकृतिक अनुभव से जुड़ने के लिए राजकुमार और पत्रलेखा ने न्यूजीलैंड को चुना। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दोनों न्यूजीलैंड में पतझड़ के मौसम का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। दोनों आर्ट से भरे अंगूर के बागों में घूमते दिख रहे हैं। इस दौरान उन्होंने हेलिकॉप्टर से पहाड़ों के सुंदर नजारों का भी आनंद लिया। दोनों ऑकलैंड के पास स्थित ब्रिक बे वाइन और स्कल्प्चर ट्रेल पर भी घूमने गए। इस दौरान दोनों हाथों में हाथ डाले टहलते नजर आए। यह जगह खूबसूरत कलाकृतियों और प्रकृति से भरी हुई है। इसके अलावा, उन्होंने झील के पास बैठकर सुकून के पल भी बिताए। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने वहां के स्थानीय गाइड रिंगी से दिलचस्प बातचीत की। उन्होंने रिंगी से माओरी समुदाय की पारंपरिक कहानियां और उनके अलग जीवन के बारे में जाना। बता दें कि फैंस राजकुमार राव की आगामी फिल्म मालिक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ट्रेलर लगभग 2 मिनट 45 सेकंड का है। कहानी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें साल 1988 का दौर दिखाया गया है।

कावेरी कपूर ने मजाकिया अंदाज में नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा की

गायिका-गीतकार और जेनरेशन जेड की उभरती हुई स्टार, बहुमुखी प्रतिभाशाली कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से काफी चर्चित शुरुआत की। उसके बाद, कावेरी ने खुद के लिखे दो गाने रिलीज़ किए, और उनकी प्रतिभा को अनदेखा नहीं किया जा सका, उनके प्रशंसक उनके आगामी प्रोजेक्ट के घोषणा का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने पहले ही इंडिपेंडेंट म्यूजिक जगत में अपने लिए एक अनूठी जगह बना ली है। अपने आत्मनिरीक्षण गीतों और भावपूर्ण गायन के लिए जानी जाने वाली कावेरी ने पहले भी डिड यू नो, हाफ ए हार्ट और स्मेल ऑफ द रेन जैसे ओरिजिनल ट्रैक जारी किए हैं, जो उनके भावनात्मक लेखन और विकसित होते संगीत को दर्शाते हैं।

और अब अपने फैन्स को ज़्यादा इंतज़ार न कराते हुए, कावेरी ने हाल ही में कुछ बहुत ही रोमांचक आने का संकेत दिया है। हालांकि उन्होंने ज़्यादा जानकारी साझा नहीं की, लेकिन यह अपडेट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। चाहे वह नया म्यूज़िक हो, कोई कोलैबोरेशन, या फिर किसी नई क्रिएटिव दिशा की शुरुआत – फैन्स को अभी इंतज़ार करना होगा। लेकिन एक बात तय हैः कावेरी कपूर अपने अगले बड़े क्रिएटिव अध्याय की तैयारी में हैं – और यह ज़रूर कुछ खास होगा।